Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 08 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 83 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

धन का मोह जीवन को अशांत बनाता है।

-प्रेमचंद

Sonam Kapoor's German Vacation...

SHARE

सेंसेक्स	:	73,137.90
निफ्टी	:	22,161.60

SARAFA

सोना	:	8,475
चांदी	:	103.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आज होगी कैबिनेट की बैठक लिए जाएंगे कई अहम निर्णय

RANCHI : मंगलवार को झारखंड मंत्रिमंडल की बैठक होगी। मंत्रिमंडल की बैठक दोपहर एक बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद् कक्ष में होगी। यह जानकारी सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सोमवार को दी है। मंत्रिपरिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी।

मोदी ने 'स्वस्थ विश्व' बनाने की दोहराई प्रतिबद्धता

NEW DELHI : मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जारी अपने संदेश में 'स्वस्थ विश्व' बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार ध्यान केन्द्रित करेगी। लोगों के स्वास्थ्य के मद्देनजर योजनाओं और संसाधन बढ़ाने पर निवेश जारी रहेगा। अच्छा स्वास्थ्य हर समृद्ध समाज की नींव है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर,आइए हम स्वस्थ विश्व बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केन्द्रित करती रहेगी तथा लोगों के स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं में निवेश करती रहेगी। अच्छा स्वास्थ्य हर समृद्ध समाज की नींव है! उल्लेखनीय है कि इस साल विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य है'।

दुबई के क्राउन प्रिंस आज आएंगे भारत

NEW DELHI : दुबई के क्राउन प्रिंस यूएई के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम 8-9 अप्रैल को भारत की यात्रा पर आएंगे। दुबई के क्राउन प्रिंस के रूप में यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। उनके साथ कई मंत्री, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और एक उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी होगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार 8 अप्रैल को प्रधानमंत्री क्राउन प्रिंस के लिए एक दोपहर के भोजन की मेजबानी करेंगे। क्राउन प्रिंस, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भी बैठक करेंगे। क्राउन प्रिंस मुंबई का भी दौरा करेंगे।

नासिक में बांग्लादेशी मां-बेटा अरेस्ट, पति की तलाश

MUMBAI : नासिक जिले के जुन्नर में एक निमार्णाधीन इमारत में पुलिस ने छापा मारकर बांग्लादेशी मां-बेटा को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस महिला के पति की तलाश कर रही है। इस मामले की छानबीन जुन्नर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। नासिक जिले के पुलिस उपअधीक्षक भाग्यश्री धीरबस्सी ने सोमवार को मीडिया को बताया कि पुणे के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने इन बांग्लादेशी नागरिकों के बारे में इनपुट दिया था। इस पर पुलिस ने जुन्नर शहर के शिपाई मोहल्ला स्थित रिजवान हाइट्स बिल्डिंग नामक निमार्णाधीन इमारत में छापा मारा और साथी उर्फ सनम मंडल को उसके छोटे बच्चे के साथ हिरासत में ले लिया।

रामनवमी पर उमड़ा आस्था का ज्वार : जमशेदपुर में सोमवार को 197 रामनवमी अखाड़ों ने विसर्जन जुलूस निकाला। अधिकांश अखाड़े सूर्य ढलने के बाद निकले, तो विशालकाय झंडे, अखाड़ों में लाठी, भाले, तलवार आदि के करतब देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी उमड़े। बच्चों के साथ महिलाओं ने भी इस उत्सव का आनंद लिया। इस दौरान कोल्हान प्रमंडल के डीआईजी मनोज रतन चौथे भी शहर में मौजूद रहे, जहां उन्होंने डीसी अनन्य मित्तल व एसएसपी किशोर कौशल के साथ साकची स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में अखाड़ों पर नजर रखी।

बिना रजिस्ट्रेशन हज में पहुंचने वालों को रोकने के लिए फैसला

हज से पहले सऊदी में अस्थायी रूप से भारत-पाक का वीजा सस्पेंड

AGENCY NEW DELHI : अस्थायी रूप से सऊदी अरब ने 14 देशों के लिए वीजा देने की सर्विस को सस्पेंड कर दिया है। इन देशों में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं। उमरा, बिजनेस और फैमिली विजिट के लिए मिलने वाले वीजा पर जून महीने के मध्य तक बैन रह सकता है। इसी दौरान मक्का में हज यात्रा होगी। जानकारी के अनुसार, यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि लोगों को बिना पूरे रजिस्ट्रेशन के हज करने से रोका जा सके। हालांकि, जिन लोगों के पास उमरा का वीजा है वे 13 अप्रैल तक सऊदी अरब पहुंच सकते हैं। इस साल हज यात्रा 4 जून से 9 जून तक रहेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रभावित यात्रियों से नए नियमों का पालन करने को कहा गया है। अगर कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता है, तो अगले पांच साल तक सऊदी अरब में उसकी एंट्री पर रोक लगाई जा सकती है। अधिकारियों ने कहा है कि 13 अप्रैल 2025 उमरा वीजा जारी करने की अंतिम तारीख होगी। इस तारीख के बाद इन 14 देशों के नागरिकों को हज यात्रा पूरी होने तक नए वीजा नहीं दिए जाएंगे।

बांग्लादेश सहित 12 अन्य देशों को भी इस श्रेणी में किया गया है शामिल

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोटा प्रणाली लागू

रिर्पोटों में कहा गया है कि यह प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है, क्योंकि कई विदेशी नागरिक उमरा या विजिट वीजा पर सऊदी अरब आते हैं और फिर गैर-कानूनी रूप से हज में भाग लेने के लिए वहीं रुक जाते हैं। इससे भीड़ बहुत बढ़ जाती है और गर्मी में भी इजाफा होता है। सऊदी अरब में हज के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एक कोटा प्रणाली लागू है, जिसके तहत हर देश के तय संख्या में हज यात्रियों को यात्रा करने की अनुमति दी जाती है। लेकिन कई बार लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। सऊदी अरब हर देश के हिसाब से हज का कोटा तैयार करता है। इनमें इंडोनेशिया का कोटा सबसे ज्यादा है। इसके बाद पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, नाइजीरिया का नंबर आता है।

- जिन लोगों के पास है उमरा का वीजा, 13 अप्रैल तक पहुंच सकते हैं सऊदी अरब
- आदेश का उल्लंघन करने पर पांच साल सऊदी अरब में एंट्री पर लग सकती है रोक
- उमरा, बिजनेस व फैमिली विजिट के लिए वीजा पर जून के मध्य तक रह सकती है बैन

बिना वीजा भी हज के लिए पहुंचे यात्री

हर साल हज पर जाने वाले हजारों यात्री ऐसे होते हैं, जिनके पास इसके लिए वीजा नहीं होता है। पैसों की कमी की वजह से इस तरह के यात्री गलत तरीकों से मक्का पहुंचते हैं। पिछले साल भी हज से पहले सऊदी ने बिना रजिस्ट्रेशन वाले हजारों हज यात्रियों को मक्का से हटाया था। सऊदी अरब के अधिकारियों के मुताबिक, मक्का पर जलवायु परिवर्तन का गहरा असर हो रहा है। यहां हर 10 साल में औसत तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ रहा है। 2023 में हज पर गए 240 हज यात्रियों की मौत हुई थी। इनमें से ज्यादातर इंडोनेशिया के थे। बता दें कि 2024 में हजयात्रा 14 जून से 29 जून के दौरान रखी गई थी। हजयात्रा में बहुत ज्यादा तीर्थयात्रियों के आने से गर्मी का प्रभाव बढ़ गया था।

इस्लाम के पांच फर्ज में से एक है हज

बता दें कि इस्लाम धर्म में 5 फर्ज में से एक फर्ज हज है। मान्यताओं के मुताबिक, हर मुस्लिम व्यक्ति को जीवन में कम से कम एक बार इस फर्ज को पूरा करना होता है। साल 628 में पैगंबर मोहम्मद ने अपने 1400 शिष्यों के साथ एक यात्रा शुरू की थी। ये इस्लाम की पहली तीर्थयात्रा बनी और इसी यात्रा में पैगंबर इब्राहिम की धार्मिक परंपरा को फिर से स्थापित किया गया।

व्यापार युद्ध की आशंका में शेयर मार्केट धड़ाम, 2227 अंक गिरा सेंसेक्स

MUMBAI @ PTI : सोमवार को अमेरिका के जवाबी शुल्क को लेकर चिंता के बीच भारत समेत दुनिया भर के बाजारों में भारी गिरावट आई। स्थानीय शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 2226.79 अंक का गोता लगा गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 743 अंक लुढ़क गया। दस माह में यह शेयर बाजार में सबसे बड़ी गिरावट है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क बढ़ाए जाने और चीन के जवाबी कदम से आर्थिक नरमी की आशंका के बीच बाजार में गिरावट आई है। 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और यह 2226.79 अंक यानी 2.95 प्रतिशत के नुकसान के साथ 73,137.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 3,939.68 अंक यानी 5.22 प्रतिशत तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 742.85 अंक यानी 3.24 प्रतिशत टूटकर 22,161.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 1,160.8 अंक तक लुढ़क गया था। हिंदुस्तान यूनिलीवर को छोड़कर सेंसेक्स में शामिल सभी शेयर नुकसान में रहे। टाटा स्टील में सबसे ज्यादा 7.33 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि लार्सन एंड टुब्रो 5.78 प्रतिशत के नुकसान में रहा। इसके अलावा टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी नीचे आए।

- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 743 अंक लुढ़का, 10 माह में सबसे बड़ी गिरावट
- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क बढ़ाए जाने व चीन के जवाबी कदम का नतीजा
- हिंदुस्तान यूनिलीवर को छोड़कर सेंसेक्स में शामिल सभी शेयर नुकसान में रहे

यूरोप के प्रमुख बाजारों में भारी बिकवाली

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग 13 प्रतिशत से अधिक गिर गया, जापान का निक्की 225 लगभग आठ प्रतिशत टूटा, शंघाई एसएसई कम्पोजिट सात प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी पांच प्रतिशत से अधिक नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी भारी बिकवाली का दबाव रहा है और दोपहर के कारोबार में इसमें छह प्रतिशत तक की गिरावट रही। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 4.13 प्रतिशत के नुकसान में रहा, जबकि मिडकैप में 3.46 प्रतिशत की गिरावट आई। नायर ने कहा, हालांकि, अन्य देशों के मुकाबले भारत पर प्रभाव सीमित होगा, लेकिन निवेशकों को इस दौरान सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 3,483.98 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.21 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

रांची सहित अन्य जगहों के लिए येलो अलर्ट

आज से बदलेगा मौसम, 6 जिलों में होगी हल्की बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची और अन्य इलाकों में आठ अप्रैल यानी मंगलवार को मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलेगा। हल्की बारिश होने की संभावना है। साथ ही 30-40 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने सोमवार को येलो अलर्ट जारी किया है। रांची के अलावा जिन इलाकों में गर्जन और तेज हवा चलेगी उनमें खूंटी, रामगढ़, गुमला और हजारीबाग शामिल है। दक्षिण और उत्तर-पूर्वी जिलों में वज्रपात और 30-40 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

- 30-40 किमी की गति से तेज हवाएं चलने की मौसम विभाग ने जताई आशंका

आक्रामक हुआ गाजा पट्टी में छिड़ा युद्ध, इजरायली शहरों पर हमास ने दागे रॉकेट

NEW DELHI : इजरायल और फिलिस्तीन के आतंकी समूह हमास के बीच गाजा पट्टी में छिड़ा युद्ध और आक्रामक हो गया है। हमास ने इजरायल के हमलों का जवाब तगड़ा जवाब दिया है। हमास ने इजरायल के दक्षिण में शहरों पर रॉकेटों की बौछार की। इजरायली सुरक्षा बलों (इजरायल डिफेंस फोर्सेज) ने बताया कि करीब 10 प्रोजेक्टाइल दागे गए, लेकिन अधिकतर को सफलतापूर्वक रोक दिया गया। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने 'एक्स' हैंडल पर कहा कि इससे पहले रात को गाजा से प्रक्षेपास्त्र दागने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लांचर को मार गिराया गया। हमारे सुरक्षा बल अपने नागरिकों को किसी भी खतरे से बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रामनवमी में माहौल बिगाड़ने की साजिश, हनुमान वाटिका में मिला मांस

जमकर हुआ प्रदर्शन, धरना पर बैठे आक्रोशित लोग

PHOTON NEWS GHATSILA : सोमवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र में रामनवमी के दौरान माहौल बिगाड़ने की साजिश का मामला सामने आया। यहां नरसिंहगढ़ स्थित हनुमान वाटिका के समीप एक झंडे के नीचे मांस मिला। इसके बाद सैकड़ों सनातनियों ने जमकर प्रदर्शन किया। सनातनियों ने नरसिंहगढ़ में एनएच-18 पर टायर जलाकर सड़क को दोनों ओर से जाम कर दिया। विवादित स्थल पर आकर धरना पर बैठ गए। घटना से आक्रोशित धालभूमगढ़ के दुकानदारों ने भी अपनी-अपनी दुकानें, गोदाम व प्रतिष्ठान बंद कर दी। इस दौरान दोषियों को पकड़ने के लिए प्रशासन के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी हुई।

एनएच-18 को भी देर तक कर दिया था जाम, आश्वासन पर माने

मामले की गंभीरता को देखते कई अधिकारी जवानों के साथ धालभूमगढ़ पहुंचे और मामले को संभाला। धरना पर बैठे लोगों को इन अधिकारियों ने काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन लोगों को कहना था कि इस स्थान पर लगातार धार्मिक भावनाओं को आहत करने के उद्देश्य से घटना को अंजाम दिया जा रहा है, लेकिन पुलिस सिर्फ आश्वासन देती है। पिछली घटना भी 14 माह पहले हुई थी, लेकिन उस मामले में आज तक किसी को पकड़ा नहीं गया। अभी किस भरोसे पर हम लोग धरना से उठ जाएं।

किसी भी हाल में बख्शे नहीं जाएंगे दोषी

जब इन अधिकारियों से बात नहीं बनी तो दोपहर करीब 11.30 बजे ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग पहुंचे। उन्होंने विवादित स्थल पर धरना दे रहे सनातनियों से मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दोषी किसी भी हाल में दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। पुलिस विशेषज्ञों की टीम गठित कर हर बिंदु से पूरे मामले की जांच करेंगी। दोषी हर हाल में पकड़ा जाएगा। ग्रामीण एसपी ने जाम को समाप्त कर थाने में आकर बात करने की अपील की। इसके बाद सभी सनातनी जाम समाप्त करने पर राजी हुए और दोपहर लगभग 12.15 बजे एनएच-18 से जाम समाप्त हुआ। धालभूमगढ़ थाना में ग्रामीण एसपी ने सनातनियों के साथ वार्ता की, जिसमें एडीएम अनिकेत सचान, एसडीएम, एसडीपीओ एवं अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

चिंताजनक तापमान बढ़ने से उपयुक्त वातावरण में उत्पन्न हो रही प्रतिकूलता

जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार कम हो रहा केले का उत्पादन

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : जलवायु परिवर्तन ने प्रकृति के संतुलन और जीव-जंतुओं के जीवन को हर स्तर पर प्रभावित किया है। इसके कारण दुनिया के कई क्षेत्रों में अनेक पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर संकट तो आया ही है, मनुष्य का जीवन भी तमाम परेशानियों से घिरता जा रहा है। सेहत का संकट तो है ही, फलों और सब्जियां के उत्पादन पर भी तापमान बढ़ने के कारण असर दिख रहा है। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी सामने आई है कि जलवायु परिवर्तन ने केले के उत्पादन में लगातार गिरावट की स्थिति पैदा कर दी है। रिसर्च करने वाले वैज्ञानिकों ने यहां तक अनुमान लगाया है कि बढ़ते तापमान के कारण वर्ष 2080 तक केले के बागान तबाह हो सकते हैं। इसकी वजह से लैटिन अमेरिका और कैरिबियन के कई इलाकों में निर्यात के लिए केले की खेती जारी रखना आर्थिक रूप से घाटे का सौदा हो जाएगा। भारत और चीन पर भी इसका असर पड़ेगा। इंग्लैंड की एक्सेटर यूनिवर्सिटी शोधकर्ताओं की अगुवाई में पूरी स्थिति का विशेष अध्ययन किया गया है।

इंग्लैंड की एक्सेटर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पूरी स्थिति का किया है विशेष अध्ययन

शोध के नतीजों को नेचर फूड नामक पत्रिका में विस्तार से किया गया है प्रकाशित

- क्लाइमेट चेंज के अनुकूलन में भारी बाधा उत्पन्न करती है सामाजिक-आर्थिक वजह
- लैटिन अमेरिका व अन्य देशों के कई क्षेत्रों में निर्यात के लिए साबित हो रहा घाटे का सौदा
- निर्यात की दृष्टि से भारत सहित कई देशों की अर्थव्यवस्था में केलों की भूमिका महत्वपूर्ण

तत्काल कारगर कदम नहीं उठाए गए तो 60% क्षेत्रों में मुश्किल हो जाएगा प्रोडक्शन

पर्याप्त निवेश के बिना उत्पादन अनिश्चित

अधिकांश केले का उत्पादन घनी आबादी वाले क्षेत्रों और बंदरगाहों के पास होता है, जिससे अधिक उपयुक्त क्षेत्रों में बदलने की संभावना सीमित हो जाती है। कम सिंचाई और गर्मी सहन करने वाली केले की किस्मों सहित अनुकूलन में पर्याप्त निवेश के बिना निर्यात किए जाने वाले केले के उत्पादन का भविष्य अनिश्चित दिखता है।

भारत केले का प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता

अध्ययन के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाले दशकों में भारत और चीन में भी केले के उत्पादन में गिरावट आने की आशंका है। भारत विश्व में केले का प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता है। दुनियाभर के कुल केले के उत्पादन में भारत और चीन की हिस्सेदारी 27 फीसदी है। फिलीपींस, कोलंबिया इंडोनेशिया, एक्वाडोर और ब्राजील अन्य बड़े उत्पादक देश हैं। अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों ने अत्याधुनिक मॉडलिंग तकनीकों का उपयोग करके केले की उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का आकलन किया है। भारत में 88 हजार हेक्टेयर में 297 लाख टन केले का उत्पादन होता है। केले का उत्पादन देश के लगभग सभी राज्यों में किया जाता है, लेकिन नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और बिहार सात ऐसे राज्य हैं, जो देश का 75 प्रतिशत केला उत्पादित करते हैं।

50 रुपये महंगी हो गई घरेलू रसोई गैस

NEW DELHI : महंगाई के मोर्चे पर आम जनता को जोर का झटका लगा है। केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस और उज्ज्वला योजना के तहत मिलने वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की है। नई कीमतें आज आधी रात से लागू हो गईं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस वितरण कंपनियों की ओर से घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उज्ज्वला योजना और सामान्य श्रेणी के घरेलू रसोई गैस के ग्राहकों दोनों के लिए एलपीजी की कीमत में इजाफा किया गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, उज्जवला योजना के तहत अब 500 रुपये वाला सिलेंडर 550 रुपये में मिलेगा, जबकि अन्य ग्राहकों के लिए यह 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये प्रति सिलेंडर हो जाएगा।

जेपीएससी नियुक्ति घोटाला : जमानत पर सुनवाई

18 अभियुक्तों को हाईकोर्ट ने दी अग्रिम बेल, सीबीआई का विरोध

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट ने जेपीएससी नियुक्ति घोटाले में 18 अभियुक्तों को अग्रिम जमानत दे दी। इनमें राजेश्वर नाथ आलोक, अनिल कुमार यादव, सीमा सिंह, सुशमा नीलम सोरेंग, ज्योति झा, कामेश्वर राम, लकखी राम बासकी, हरिवंश पंडित,सुदर्शन मुर्मू,अनंत कुमार, सुदर्शन मुर्मू, राजीव कुमार,योगेंद्र प्रसाद, संतोष कुमार गर्ग, कमलेश्वर नारायण सहित अन्य लगों के नाम हैं। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद इस मामले में हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गई थी।

- इसके पहले सीबीआई के स्पेशल कोर्ट ने खारिज कर दी थी याचिका

जेपीएससी-वन नियुक्ति घोटाले में दायर अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई न्यायाधीश रंगोन मुखोपाध्याय की अदालत में हुई। अग्रिम जमानत पर सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से अग्रिम जमानत का विरोध किया गया। हालांकि कोर्ट ने इसे अस्वीकार करते हुए अभियुक्तों की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार की।

चिरकुंडा में युवक की निर्मम हत्या, कई लोग हिरासत में

रेलवे स्टेशन के पीछे हो रहा था प्रसाद का वितरण, इसी बीच हुआ हमला

PHOTON NEWS DHANBAD : चिरकुंडा में एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई है। इस मामले में संदेह के आधार पर कई युवकों को हिरासत में लिया गया है। दरअसल, कुमारधुबी रेलवे स्टेशन के नवनिर्मित भवन के पीछे रविवार की रात 35 वर्षीय युवक कुंदन रवानी की कुछ लोगों ने धारदार हथियार व पीट-पीट कर हत्या कर दी। कुंदन रवानी भी आपराधिक प्रवृत्ति का था। वह हत्या के मामले में जेल जा चुका था। कुछ महीना पहले ही जेल से छूटकर आया था।

घटनास्थल का मुआयना करते पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

बताया जाता है कि रविवार की रात कुमारधुबी रेलवे स्टेशन के पीछे बने हनुमान मंदिर के समीप रामनवमी के अवसर पर खिचड़ी का प्रसाद खिलाया जा रहा था। कुछ लोग वहां बज रहे गाना का आनंद ले रहे थे। इसी दौरान कुंदन रवानी भी उस कार्यक्रम में शामिल हो गया। वह अपने कुछ साथियों के साथ बैठकर शराब पीने लगा। इसी दौरान कुछ लोगों ने धारदार हथियार से उसपर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। खबर पाकर पहुंची चिरकुंडा थाना की पुलिस ने तत्काल कुंदन रवानी को एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया, लेकिन चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक के खून के नमूने लेकर फॉरेंसिक जांच कराएगी। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। वहीं आरोपियों को पकड़ने के लिए जगह-जगह छापेमारी कर रही है। चिरकुंडा के थानेदार रामजी राय ने बताया कि पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। मामले का जल्द खुलासा कर दिया जाएगा।

घाटशिला स्टेशन परिसर का जीर्णोद्धार देखने पहुंचे डीआरएम

GHATSILA : खड़गपुर रेल मंडल के डीआरएम आरके चौधरी सोमवार को घाटशिला रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे। डीआरएम ने घाटशिला स्टेशन परिसर और निर्माणाधीन नए स्टेशन भवन का निरीक्षण करने के बाद कार्य की गुणवत्ता को लेकर दिशा-निर्देश दिए एवं कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने कहा कि 2026 तक स्टेशन के नए भवन का कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। दोपहर 3.30 बजे डीआरएम आसनबनी स्टेशन की ओर रवाना हो गए। इस दौरान सीनियर डीएससी सहित रेलवे के अन्य अधिकारी भी थे। दोपहर लगभग सवा दो बजे घाटशिला स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-2 पर स्टेशन प्रबंधक ने उनका बुके से स्वागत किया। डीआरएम के आने की सूचना पर स्टेशन परिसर के बाहर लगे ठेला-खोमचा सहित अन्य दुकानों को पूरी तरह हटा दिया गया था। उनके आगमन को लेकर स्टेशन परिसर की साफ-सफाई भी की गई थी।

आदित्यपुर व बादामपहाड़ स्टेशन का डीआरएम ने किया निरीक्षण

यात्री सुविधाएं जल्द विकसित करने का निर्देश

PHOTON NEWS JSR: चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया ने सोमवार सुबह टाटानगर रेलवे यार्ड का जायजा लिया। यहां माल डिपो की व्यवस्था और प्रबंधन की स्थिति का निरीक्षण किया। इसके साथ ही डीआरएम ने थर्ड लाइन निर्माण के लिए सबसे जटिल और समय लेने वाले टाटानगर यार्ड के प्रस्तावित काम के लिए इसका निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों से अतिरिक्त लाइन निर्माण और थर्ड लाइन निर्माण से जुड़ी जानकारी ली। इसके बाद डीआरएम सड़क मार्ग से सीधे आदित्यपुर स्टेशन पहुंचे। वहां के विकास कार्यों को देखा। डीआरएम ने स्टेशन पर वाटर हाइड्रेंट, शेड और टिकट काउंटर जल्द खोलने का निर्देश दिया। उन्होंने आदित्यपुर यार्ड और नई लाइन के निर्माण की स्थिति देखी। डीआरएम ने अधिकारियों को कहा है कि आदित्यपुर स्टेशन के यात्री सुविधाओं को जल्द से जल्द विकसित की जाएं। इसके बाद डीआरएम तरुण हुरिया स्थानीय अधिकारियों के साथ दोपहर 12 बजे के करीब बादामपहाड़ रवाना हुए। बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन का निर्माण अमृतभारत स्टेशन योजना के तहत निर्माण किया जा रहा है। यहां स्टेशन बिल्डिंग भवन का निर्माण कार्य देखा। यहां काम को तेजी से करने का निर्देश दिया है। बादामपहाड़ में अभी तक भवन का निर्माण महज 20-30 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। ऐसे में इस कार्य को तेजी से करने को कहा गया है। वेटिंग एरिया, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, टिकट काउंटरों का विकास समेत कई कार्य हो रहे है। इस दौरान सीनियर डीसीएम आदित्य कुमार चौधरी, सीसीआई संतोष कुमार भी साथ थे।

बादामपहाड़ में निरीक्षण करते डीआरएम तरुण हुरिया ● फोटोन न्यूज

शोभायात्रा निकालने वाली तीन समितियों को मिला पहला पुरस्कार

PALAMU : रामनवमी पर शोभायात्रा निकालने वाली विभिन्न समितियां सोमवार को सम्मानित की गयी। इन समितियों के पदाधिकारियों को सदर एसडीओ सुलोचना मीणा और एएसपी राकेश सिंह के हाथों मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। रामनवमी की शोभायात्रा में आकर्षक रथ निकालने वाले विश्व संघ, न्यू सुरभि क्लब, न्यू एकता स्टार क्लब को प्रथम पुरस्कार दिया गया। उपकार संघ, महामृत्युंजय संघ, शांति क्लब को द्वितीय और बजरंग बली सेवा समिति, नवजागृति संघ को तृतीय प्रकार पुरस्कार मिला। शोभायात्रा में देवी देवताओं का उत्कृष्ट मूर्ति निकालने वाले नवदीप संघ को प्रथम, न्यू दुकानदार संघ को द्वितीय, सर्वोदय संघ को तृतीय पुरस्कार दिया गया। चौक चौराहों को सजाने के लिए हॉकर संघ, जय बजरंग संघ, जेनरल के साथ पंचमी से नवमी तक शोभायात्रा में शामिल रहने वाले हिंदू सेना संघ और समाज कल्याण समिति को पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा शोभायात्रा में शामिल शामिल सभी पूजा संघों को सांत्वना पुरस्कार मिला। शोभायात्रा में राम भक्तों की सेवा में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले विभिन्न संस्थाओं और खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। श्री महावीर नवयुवक दल जेनरल के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता अध्यक्ष युगल किशोर ने की। संचालन महामंत्री विजय ओझा ने किया। मौके पर सदर एसडीओ और एएसपी के अलावा शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार, ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी को माला, पगड़ी, शॉल, मोमेंटो और तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रधानाध्यापक का छात्राओं से अश्लील वाट्सएप चैट वायरल

PALAMU : जिले के तरहसी प्रखंड के स्तरोनत उच्च विद्यालय सेलारी के प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय दुबे का विवादों से हमेशा रिश्ता रहा है। प्रभार लेने के बाद से अब तक एक दर्जन से अधिक विवादित मामलों में शामिल रहने के कारण इस विद्यालय की हमेशा किरकिरी हुई है। वर्तमान में प्रभारी प्रधानाध्यापक का छात्राओं के साथ अश्लील वाट्सएप चैट वायरल हुआ है। इसके बाद इन्हे कार्य मुक्त करने, एफआईआर दर्ज करने और गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग तेज हो गई है। हालांकि इस पर प्रभारी प्रधानाध्यापक ने फंसाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 20 हजार रुपए ऐंठने को लेकर यह साजिश की गयी है। प्रधानाध्यापक का यह भी कहना है कि उन्होंने इस सिलसिले में साइबर थाना मेदिनीनगर में मामला भी दर्ज कराया है। सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश महतो, सदस्य सह पूर्व अध्यक्ष कौशल शर्मा, रिटायर शिक्षक और स्थानीय निवासी बालेश्वर पांडे, ग्रामीण अजय साव ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक पर कई आरोप लगाए। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने कहा कि बार-बार प्रधानाध्यापक की हरकत छुपायी जा रही थी, लेकिन वर्तमान में उनका छात्राओं के साथ शर्मनाक वाट्सएप चैट वायरल हो रहा है। इससे स्कूल की प्रतिष्ठा तार-तार हो रही है। इस बार वे नहीं बच पाएंगे और कार्रवाई निश्चित तौर पर होगी। प्रबंधन समिति के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में सदस्य कौशल शर्मा ने कहा कि प्रधानाध्यापक ने छात्राओं के साथ जिस तरह से बातें की है, उस पर कार्रवाई जरूर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार करना चाहिए और उन्हें कार्यमुक्त भी किया जाना चाहिए।

रामनवमी जुलूस के लिए प्रशासन ने जगह-जगह रखे चलंत शौचालय

HAZARIBAG : रामनवमी महापर्व में जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं व आमजन के सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने जगह-जगह अस्थायी व मॉड्यूलर शौचालय की व्यवस्था की है। अस्थायी शौचालय व मॉड्यूलर टॉयलेट की व्यवस्था जामा मस्जिद के पास मुख्य नाला रोड में रोड की बायीं ओर, जादो बाबू चौक के पास और बड़ा अखाड़ा के पास की है, जबकि सिर्फ अस्थायी शौचालय जैन मंदिर के सामने, गिलान रोड में, खिरगांव से कूद और घोड़ा अस्पताल के पास उपलब्ध कराया गया है। मॉड्यूलर टॉयलेट मोहन सिनेमा के पास था। इसके अलावा 15 स्थानों पर सामुदायिक शौचालय व 6 स्थानों पर मॉड्यूलर यूरिनल की व्यवस्था की गई थी। इसी तरह प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 25 स्थानों पर पानी के टैंकर रखे गए थे।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की छात्राओं ने नेतरहाट-पतरातू में किया अध्ययन

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग द्वारा स्नातक, सेमेस्टर-6 की छात्राओं के लिए तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया, जो 3 से 5 अप्रैल के बीच संपन्न हुआ। यह भ्रमण उनके पाठ्यक्रम के 'पर्यटन भूगोल' विषय के प्रायोगिक पत्र का हिस्सा था। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को कक्षा की सीमाओं से बाहर निकाल कर प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्थलों का प्रत्यक्ष अध्ययन कराना था। शिक्षिका प्रीति और आरती शर्मा के नेतृत्व में छात्राओं ने झारखंड के पश्चिमी भाग में स्थित खूबसूरत पर्यटन स्थलों जैसे - नेतरहाट और पतरातू का भ्रमण किया। यहां झारखंड का सबसे ऊंचा लोध जलप्रपात है। सुग्गा छटा ने छात्राओं को प्राकृतिक पारिस्थितिकी के बारे में व्यावहारिक समझ प्रदान की, वहीं मैग्नोलिया सनसेट प्वाइंट और कोयल सनराइज प्वाइंट ने भी छात्राओं को अध्ययन का अवसर प्रदान किया। छात्राओं ने नासपाती बागान में क्षेत्रीय कृषि प्रणाली और मौसम की अनुकूलता का अवलोकन किया। ऊपरी घाघरी जलप्रपात, पाइन और साल के घने वन, पतरातू घाटी और झील जैसे स्थलों ने उन्हें जल प्रबंधन और पर्यटन की संभावनाओं के बारे में गहन जानकारी दी। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने देखा कि किस प्रकार ग्रामीण समुदाय पारंपरिक रूप से महुआ के फूलों को वन क्षेत्रों से एकत्र कर अपनी आजीविका चलाते हैं। यह क्रिया स्थानीय प्राथमिक आर्थिक गतिविधियों का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो मानव भूगोल की व्यावहारिक समझ को मजबूत करता है।

ट्रैकिंग के दौरान अभियान में शामिल छात्राएं ● फोटोन न्यूज

बच्चे और मां के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता जरूरी : डॉ. गणेश

AGENCY LOHARDAGA : इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन लोहरदगा के तत्वावधान में पीएम श्री राजकीय कृत मध्य विद्यालय नवाडीपाड़ा के सभागार में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं डॉ. आइलिन कुजूर ● फोटोन न्यूज

कार्यक्रम का उद्घाटन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन सह इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर गणेश प्रसाद और उसुर्ला हॉस्पिटल लोहरदगा की डॉक्टर आइलिन कुजूर ने किया। डॉ गणेश प्रसाद ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 7 अप्रैल 2025 को मनाया जाने वाला विश्व स्वास्थ्य दिवस वर्ष भर चलने वाले मातृ और नवजात शिशु के स्वास्थ्य एवं कल्याण के अभियान की शुरूआत है। इस वर्ष का थीम ' स्वस्थ शुरूआत, आशा पूर्ण भविष्य है। स्वास्थ्य की शुरूआत माता के गर्भधारण से ही प्रारंभ हो जाती है। बच्चे और मां के अच्छे स्वास्थ्य के लिए जागरूकता जरुरी है और डाक्टरों की सलाह का भी पूरी तरह पालन करना जरूरी है।

स्वास्थ्य शारीरिक, मानसिक और सामाजिक तीनों तरह का स्वास्थ्य का समावेश है। हम सभी जन जागृति के माध्यम से इस अभियान को पूरा कर सकते हैं। डॉ आइलिन ने बताया कि जिस तरह मकान का नींव महत्वपूर्ण है, बचपन के स्वास्थ्य पर ही भविष्य का स्वास्थ्य निर्भर करता है । अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ आदतों को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। मधुसूदन लाल अग्रवाल इंटर महिला कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर स्नेह कुमार ने इस अवसर पर छात्रों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के उद्देश्यों पर विस्तृत चर्चा की।

पीवीयूएनएल पावर प्लांट चालू कराने को लेकर डीसी ने की बैठक

RAMGARH : रामगढ़ जिला अंतर्गत पतरातू प्रखंड में पीवीयूएनएल पावर प्लांट चालू कराने को लेकर रसदा, बलकुदरा, जयनगर और गेगदा ग्राम के निवासियों की उपस्थिति में सोमवार को डीसी चंदन कुमार ने जिला समाहरणालय के सभागार में बैठक किया। इस दौरान बैठक में सर्वप्रथम डीसी ने पतरातू प्रखंड में पीवीयूएनएल पावर प्लांट चालू कराने को लेकर आ रही समस्याओं से सभी को अवगत कराया। इस दौरान सर्वे, भूअर्जन, नौकरी सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर पीवीयूएनएल के अधिकारियों और संबंधित ग्राम के निवासियों के साथ चर्चा की गई। मौके पर ग्राम के निवासियों की ओर से अपने पक्ष को सभी के समक्ष रखा गया। इस पर डीसी और पीवीयूएनएल के अधिकारियों की ओर से कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गयी।

स्कूलों में 20 तक शत-प्रतिशत नामांकन का दिया गया लक्ष्य

PHOTON NEWS LATEHAR : टाऊन हॉल में सोमवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में नए सत्र 2025-26 में शत प्रतिशत नामांकन-पारगमन (ळ१ल्ल२३ङ्मल्ल) से संबंधित कार्यशाला हुई, जिसमें जिले के सभी सरकारी व गैरसरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं का 20 अप्रैल तक शत प्रतिशत नामांकन एवं पारगमन सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया गया।

उपायुक्त ने सभी प्रधानाध्यापक, सीआरपी, बीआरपी, बीईईओ व बीपीओ को जिम्मेदारी से कार्य करने को कहा गया। उपायुक्त ने सभी सीआरपी को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र के विद्यालयों में स्वयं रुचि लेते हुए शत प्रतिशत नामांकन कराएं। शिशु पंजी अद्यतन किए जाने के दौरान संबंधित शिक्षक अपने टैग किए गए टोला, मोहल्ला व गांव के विद्यार्थियों का शत प्रतिशत विद्यालय में नामांकन एवं ठहराव सुनिश्चित कराएंगे एवं अनिवार्य रूप से विद्यालय के प्रधानाध्यापक को अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

इसके अतिरिक्त यूडीआईएसई प्लस, आधार, बैंक अकाउंट, मध्याह्न भोजन योजना (एसएमएस) पर भी विस्तृत चर्चा जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी-सह-प्राचार्य डायट द्वारा की गई।

प्रधानाध्यापकों को संबोधित करते उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ● फोटोन न्यूज

18 प्रतिशत मतांतरित वनवासी 82 फीसद का मार रहे हैं हक

ईसाई मिशनरियां समाज में 'पूतना' बनकर कर रहीं हिंदुओं का मतांतरण : परांडे

- बोकारो के नया मोड़ में प्रबुद्धजनों से विहिप के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने किया विमर्श

PHOTON NEWS BOKARO : विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने सोमवार को बोकारो के नया मोड़ स्थित बिरसा सेवा आश्रम में आयोजित प्रबुद्ध जन विमर्श कार्यक्रम में प्रेस को संबोधित करते हुए ईसाई मिशनरियों और धर्मांतरण की गतिविधियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज ईसाई मिशनरियां ह्यपूतनाह्ल के रूप में समाज में वेश बदलकर हिंदू समाज को गुमराह कर रही हैं। इन प्रयासों को हर स्तर पर रोकना होगा। दवा व शिक्षा के नाम पर आपको आपके संस्कृति से तोड़ रही हैं। परांडे ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण को मारने आई पूतना सुंदर स्त्री के रूप में आई थी। भगवान ने उसे पहचान लिया था कि वह एक राक्षसी है। इसलिए उसका वध करना पड़ा। आज मिशनरियां भी समाज के भीतर अलग-अलग रूप में घुसकर हमारी आस्था, संस्कृति और पहचान पर चोट कर रही हैं। उन्होंने आदिवासी समाज का जिक्र करते हुए कहा कि आज 18 प्रतिशत मतांतरित लोग 82 प्रतिशत मूल आदिवासी समाज का हक मार रहे हैं। यह स्थिति अब और बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। बताया कि अनुसूचित जातियों को धर्म परिवर्तन के बाद आरक्षण नहीं मिलता, लेकिन जनजातियों के मामले में यह नियम लागू नहीं है। स्व. कार्तिक उरांव ने इस समस्या के विरुद्ध आवाज उठाई थी। हालांकि वे नहीं रहे, अब यह आंदोलन नए सिरे से उठाने की आवश्यकता है।

मिलिंद परांडे

ईसाई मिशनरियों से दूर रहे जनजातीय समाज

परांडे ने जनजातीय समाज से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि ईसाई मिशनरियां आपकी भाषा, संस्कृति और जमीन छीनने के प्रयास में लगी हैं। वे आपको आपकी ही पहचान से काट रही हैं। समय आ गया है कि जनजातीय समाज इन मिशनरियों से दूरी बनाए और अपने मूल धर्म व संस्कृति की रक्षा करे। आपकी रक्षा से झारखंड की भाषा, सीमा और संस्कृति की रक्षा संभव है। कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने धर्म और भूमि की रक्षा के लिए बलिदान दिया। लेकिन ब्रिटिश ईसाई मिशनरियों ने उन्हें जेल में डालकर मार दिया। हमारे जनजाति समाज को अपने पूर्वजों पर गर्व होना चाहिए, जिन्होंने इसी भाषा, संस्कृति और भूमि की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी। इनमें सिदो-कान्हू, फूलो-झानो जैसे महापुरुष शामिल हैं। जनजाति समाज को विदेशी धर्म अपनाने की आवश्यकता नहीं है।

हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग

परांडे ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद देशभर में हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए अभियान चला रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मंदिर हिंदुओं को वापस नहीं मिलते, यह जनआंदोलन चलता रहेगा। मंदिरों पर सरकार का कब्जा अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा कि अब समय आ गया है कि हिंदू समाज संगठित हो, सजग हो और अपनी संस्कृति, पहचान और धर्म की रक्षा के लिए एकजुट होकर खड़ा हो।

प्रत्येक हिंदू परिवार को दो बच्चे पैदा करने का आह्वान

परांडे ने हिंदू समाज से अपील की कि जैसे भगवान राम के दो पुत्र थे, वैसे ही प्रत्येक हिंदू परिवार को कम से कम दो बच्चे जरूर पैदा करने चाहिए, ताकि हिंदू समाज की जनसंख्या संतुलन में रहे और संस्कृति की निरंतरता बनी रहे। उन्होंने देश से गायब हो रही हिंदू बेटियों का मुद्दा भी उठाया और कहा कि 13 लाख बेटियों में से तीन लाख 18 वर्ष से कम उम्र की हैं। इनमें से अनेक लव जिहाद का शिकार हुई हैं। यह स्थिति अत्यंत गंभीर है और प्रत्येक हिंदू का कर्तव्य है कि वह अपनी बहनों की रक्षा करे और उन्हें ईसाई मिशनरियों तथा लव जिहाद जैसे षड्यंत्रों से बचाए।

गर्भधारण के बाद नियमित स्वास्थ्य जांच कराना जरूरी : प्रधान सचिव

PHOTON NEWS DHANBAD : गर्भवती महिलाओं को 9 महीने के बीच चार बार एंटीनेटल चेकअप कराना अनिवार्य है। लेकिन, धनबाद समेत राज्य के कई जिलों में प्रदर्शन काफी खराब है। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव ने इस संबंध में जिलों के पदाधिकारी को विशेष निर्देश दिए हैं। गर्भवती महिलाओं को सरकार की ओर से निशुल्क एंटीनेटल चेकअप सेवा प्रदान की जा रही है। लेकिन, जिले में अधिकारियों की उदासीनता के कारण चार एंटीनेटल चेकअप नहीं हो पा रहा है। पहले और दूसरे एंटीनेटल चेकअप की उपलब्धि 70% से ऊपर है। जबकि, तीसरे और चौथे एंटीनेटल चेकअप की उपलब्धि 50 से 40% के आसपास है। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अलावा सदर अस्पताल और जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में यह सेवा निशुल्क दी जाती है। लेकिन, डॉक्टरों की उदासीनता की वजह से लक्ष्य की पूर्ति नहीं हो पा रही है।

जानें क्या है एंटीनेटल चेकअप

गर्भावस्था के दौरान जच्चा और बच्चा दोनों की सेहत का ख्याल रखने के लिए एंटीनेटल चेकअप जरूरी है। इसमें विभिन्न प्रकार के पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी जांच किए जाते हैं। दरअसल मात्रा और शिशु मृत्यु दर को रोकने के लिए एंटीनेटल चेकअप सेवा की शुरूआत की गई है।

लू लगने पर उल्टी, तेज बुखार, हार्ट अटैक व ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में तापमान बढ़ता जा रहा है। 3 जिलों- जमशेदपुर, डाल्टनगंज और बोकारो में पारा 40 के पार पहुंच चुका है। इससे आम जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। मंगलवार तक 10 जिलों में पारा 40 के पार पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग ने राज्य में बढ़ती गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया है। लोगों को अत्यधिक गर्मी और लू से बचने के लिए सतर्क किया गया है। बिना सुरक्षा के घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की गई है, ताकि लोग गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकें। डॉक्टरों का कहना है कि लू लगने पर उल्टी, तेज बुखार, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और कार्डियोवैस्कुलर समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आना और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

104 हेल्पलाइन पर मिलेगी मदद

राज्य में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए 24/7 हेल्पलाइन सेवा शुरू की गई है। लोग इस हेल्पलाइन पर कॉल करके डॉक्टरों से सलाह ले सकते हैं। 104 टॉल-फ्री नंबर पर कॉल करके लोग अपनी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि स्वास्थ्य विभाग ने हीट वेव के प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए हेल्पलाइन का प्रचार प्रसार कर रहा है। जिससे लोग इमरजेंसी में डॉक्टरों की मदद ले सके।

सरकारी अस्पतालों में फ्री ओआरएस : आने वाले दिनों में हीट वेव के मद्देनजर रिम्स समेत झारखंड के सभी सरकारी अस्पतालों को अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान लोगों से अपील की गई है कि वे नजदीकी सरकारी अस्पताल से ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्ट) मुफ्त में लें और उसे सही तरीके से इस्तेमाल करें। ओआरएस शरीर में पानी की कमी को दूर करने में मदद करता है और लू से होने वाली गंभीर समस्याओं से बचाव में सहायक है। ओआरएस का घोल तैयार करने के लिए एक लीटर पानी में एक पैकेट ओआरएस घोल कर इसे समय-समय पर सेवन करें। इसे 24 घंटे के भीतर ही उपयोग कर लें।

- बढ़ रही गर्मी को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी की गई एडवाइजरी
- गर्भवती महिलाओं, बुजुर्ग और श्रमिकों को विशेष सतर्कता बरतने की अपील

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मी के दौरान घर से बाहर जाते समय हल्के, सूती और ढीले कपड़े पहनें। साथ ही धूप से बचने के लिए धूप का चश्मा और गमछा भी रखें। जूते या चप्पल पहनकर बाहर जाएं।

चिकित्सक से करें संपर्क

सिरदर्द, मतली, मांसपेशियों में ऐंठन, अत्यधिक थकान, अधिक पसीना आना या सूखी व गर्म त्वचा की स्थिति उत्पन्न होने पर फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

दिन में अधिक से अधिक पानी पीना जरूरी

इन चीजों का करें सेवन

गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखने के लिए नमक-चीनी का घोल, छाछ, तरबूज, खरबूजा, खीरा, नींबू-पानी, आम का शर्बत, लस्सी और ककड़ी जैसी चीजें सेवन करें। इनसे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और लू से बचाव भी होगा।

गर्मी के मौसम में लू से बचाव के लिए कुछ जरूरी सावधानियां बरतने को कहा गया है। अधिक से अधिक पानी पीना, छांव में रहना और गर्मी से बचने के लिए हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। अगर किसी को लू लग जाए, तो उसे तुरंत छांव में लिटाकर गीले कपड़े से उसके शरीर को पोंछें या ठंडे पानी से नहलाएं। अगर स्थिति में सुधार न हो, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए ले जाएं।

BRIEF NEWS

रियाजुल हसन पार्टी के सक्रिय व वफादार सिपाही : शारुख रिजवी

RANCHI : झारखंड और बिहार के प्रसिद्ध समाजसेवी सैयद शारुख हसन रिजवी ने एक बयान जारी कर कहा है कि हैदराबाद एमएलसी कोटे पर सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने दूसरी बार मिर्जा रियाजुल हसन को उम्मीदवार बनाकर मुसलमानों में एकता का संदेश दिया है। रियाजुल हसन पार्टी के सक्रिय एवं वफादार सिपाही हैं। हम सभी को उम्मीद है कि ओवैसी की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। और इससे पार्टी को फायदा होगा। रियाजुल हसन बहुत ईमानदार हैं और दूसरों के दर्द को अपना दर्द समझते हैं। हमने उन्हें बहुत करीब से देखा है।

जंगली हाथी के हमले में किसान की दर्दनाक मौत, गांव में दहशत

RANCHI : बेड़ो थाना क्षेत्र के टेंगरिया गांव में रविवार रात में जंगली हाथी के हमले में एक किसान की जान चली गई। मृतक की पहचान महेंद्र सिंह उर्फ कारू के रूप में हुई है, जो मिर्चा की खेती करता था। जानकारी के अनुसार, महेंद्र सिंह रात करीब 10 बजे अपने घर के पास खेत देखने गया था, तभी एक जंगली हाथी अचानक खेत में पहुंच गया और उस पर हमला कर दिया। हाथी ने पहले उसे सूंड़ से पटक दिया और फिर बुरी तरह कुचल डाला। स्थानीय लोगों ने घायल महेंद्र को तुरंत उठाकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां से उसे रांची के रिम्स रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद टेंगरिया गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर बोले - मिलने वाली राशि में केंद्र ने की कटौती

एससी-एसटी के लिए सब-प्लान कानून बनाने की उठी आवाज

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को कांग्रेस भवन में प्रदेश कांग्रेस की ओर से प्रेस कांफ्रेंस की गई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव मौजूद थे। इस दौरान वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि पूरे देश के लिए अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए सब- प्लान के लिए कानून बनाने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान 275 कंडिका 1 में भी इसका उल्लेख है। इसलिए एससी और एसटी के लिए सब-प्लान उनके हक और अधिकार की मांग की जा रही है। इंदिरा गांधी ने संविधान में उल्लेखित योजना के सब प्लान की योजना बनाई थी। लेकिन वह योजना कानून नहीं बन पाई। आज स्थिति यह है कि एक दशक में आदिवासी दलितों के लिए जो पैसा मिलना चाहिए था उसमें केंद्र ने कटौती की।

विकास को मिलती है गति : राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि विगत एक दशक में एससी सब-प्लान में 3.4 और एसटी 2.6 प्रतिशत का ह्रास आवंटन में हुआ है। इसका परिणाम है कि 11.70 लाख करोड़ रुपये एसटी के लिए और 5.57 लाख करोड़ रुपये का बजटीय समर्थन में नुकसान हुआ। अगर ये पैसा मिलता तो झारखंड के अलावा वैसे क्षेत्रों में रहने वाले एससी और एसटी के लोगों को उनके सामाजिक आर्थिक विकास में गति मिलती। इस सब-प्लान से एससी-एसटी के लिए आर्थिक संसाधनों का आवंटन करने के साथ गरीबी और बेरोजगारी को कम किया जाता है।

कांग्रेस ने कहा- केंद्र सरकार नहीं मानी तो किया जाएगा देशभर में आंदोलन

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर व अन्य नेता ● फोटोन न्यूज

राज्य को मिलने चाहिए थे 10 हजार करोड़ रुपये

वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड में आबादी की बात करे तो 39 लाख एससी और 46 लाख एसटी की आबादी है। वहीं 2021-22 से 23-24 तक केंद्र से एससी के लिए 3515.11 करोड़ और एसटी के लिए 2475.49 करोड़ झारखंड को उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से राज्य को 10 हजार करोड़ रुपये मिलना चाहिए था। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कानून बनने के बाद सब प्लान में आए हुए पैसों का दुरुपयोग नहीं हो सकेगा। इसकी प्रापर मॉनिटरिंग हो सकेगी। इसके लिए केंद्र सरकार से वार्ता की जाएगी। सरकार नहीं मानेगी तो योजना बनाकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करेंगे। दलितों और आदिवासियों के उत्थान के लिए बात हो रही है।

जमीनी स्तर पर संगठन करेंगे मजबूत

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि सभी के सहयोग से त्योहार संपन्न हो गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रभारी के राजू 13 अप्रैल को रांची आ रहे हैं। वह प्रखंड पर्यवेक्षकों के साथ संवाद करेंगे। 2025 संगठन सृजन का वर्ष है। इसका उद्देश्य जमीन स्तर पर संगठन को मजबूत बनाना है। साथ ही कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विगत दो दिन पहले 6 राज्य और 2 केंद्र शासित राज्यों के जिलाध्यक्षों के साथ संवाद किया। इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल को संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर पुराने हाईकोर्ट के सामने ह्यूमन चेन बनाकर विवेकानंद चौक -देवानंद मांझी चौक होते हुए राजेंद्र चौक तक आएगी और सभा होगी। उन्होंने कहा कि एससी सब प्लान-एसटी सब प्लान मांग लंबे समय से हो रही है। इस संप्रदाय के लोगों का विकास हो इसके लिए तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने 75-76 और 79-80 में योजना बनाई थी।

दहशतगर्द शब्द पर माफी मांगें सीएम हेमंत सोरेन : बाबूलाल मरांडी

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा रामनवमी के दौरान झारखंड के बहुसंख्यक हिंदू समाज के लिए 'दहशतगर्द' शब्द का इस्तेमाल करने को शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री से अपेक्षा होती है कि वह सभी नागरिकों के प्रति समान सम्मान और व्यवहार अपनाएं। लेकिन, हेमंत सोरेन ने विभाजनकारी और भड़काऊ शब्दों का इस्तेमाल कर अपनी दुर्भावनापूर्ण सोच को उजागर किया है। उन्होंने इसे कांग्रेस द्वारा गढ़े गए हिंदू आतंकवाद के झूठे नैरेटिव के समान बताया। बाबूलाल मरांडी ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोची-समझी रणनीति के तहत बहुसंख्यक समाज को बदनाम करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता हेमंत सोरेन के नफरती और जिहादी सोच को सफल नहीं होने देगी। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री को तत्काल माफी मांगनी चाहिए। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि अपने ही नागरिकों के खिलाफ ऐसा अपमानजनक शब्द इस्तेमाल करने का उनका इरादा क्या था। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मुख्यमंत्री ने माफी नहीं मांगी, तो झारखंड की जनता इसका करारा जवाब देगी।

12,500 मार्क्स का है इस बार स्वच्छता सर्वे, कहीं फिर न कट जाएं रांची के नंबर

PHOTON NEWS RANCHI : स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 शुरू हो गया है। ऐसा माना जा रहा है कि टीम आई और शहर में सरप्राइज विजिट कर चली गई। लेकिन, स्वच्छता सर्वे को लेकर इस बार रांची नगर निगम ने डॉक्यूमेंट में पूरी तैयारी कर रखी है। हालांकि कुछ जगहों पर इस बार भी रांची नगर निगम के नंबर स्वच्छता सर्वे में कटेंगे। इसमें डोर टू डोर कलेक्शन एक कारण हो सकता है। वहीं वेस्ट डिस्पोजल में भी कुछ नंबर कट सकते है। वेस्ट डिस्पोजल के लिए भले ही झिरी डंपिंग यार्ड में सीबीजी प्लांट तो लगा दिया गया है। लेकिन, नगर निगम उसे पर्याप्त गीला कचरा नहीं दे पा रहा है। ऐसे में कचरा वहीं डंप किया जा रहा है।

गार्बेज फ्री सिटी के लिए करनी होगी मेहनत : रांची नगर निगम का इलाका पहले से ही ओडीएफ है। इसके बाद निगम ने ओडीएफ प्लस के लिए भी तैयारी कर रखी है। लेकिन गार्बेज फ्री सिटी के लिए रांची नगर निगम को और मेहनत करनी होगी। अब देखना होगा कि इसबार स्वच्छता सर्वे करने वाली एजेंसी के मानकों पर रांची नगर निगम कितना खरा उतरता है।

प्लांट के संचालन के लिए अपर्याप्त कचरा : नगर निगम के झिरी डंपिंग यार्ड में 1.5 टन प्रतिदिन क्षमता वाला सीबीजी प्लांट लगाया गया है। दूसरे प्लांट का काम भी पूरा होने को है। ऐसे में एक प्लांट के संचालन के लिए हर दिन 1.5 टन कचरा चाहिए। लेकिन नगर निगम प्लांट के लिए 50 टन से ज्यादा गीला कचरा नहीं दे पा रहा है। ऐसे में प्लांट तो चल रहा है लेकिन कम कचरे का डिस्पोजल हो रहा है। वहीं दूसरा प्लांट चालू होने के बाद भी निगम के पास देने के लिए पर्याप्त कचरा उपलब्ध नहीं होगा।

- 1.5 टन प्रतिदिन क्षमता वाला सीबीजी प्लांट चालू, लेकिन कचरा नहीं दे पा रहा निगम
- डोर-टू-डोर वेस्ट कलेक्शन करने वाली एजेंसी भी रेगुलर नहीं उठा रही कचरा
- गार्बेज फ्री सिटी के लिए 1300 मार्क्स किए गए हैं निर्धारित

किस कैटेगरी में कितने मार्क्स

- विजिबल क्लीनलीनेस- 1500
- सेग्रीगेशन, कलेक्शन एंड ट्रांसपोर्ट आफ वेस्ट- 1000
- सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट- 1500
- एक्सेस टू सैनिटेशन- 1000
- यूज्ड वाटर मैनेजमेंट- 1000
- मेकेनाइजेशन आफ डेसलजिंग सर्विसेज- 500
- एडवोकेसी फॉर स्वच्छता- 1500
- ईकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग एंड इंस्टीट्यूशनल पारा मीटर्स- 1000
- ओवरआल वेलफेयर आफ सैनिटेशन वर्कर्स- 500
- सिटीजन फीडबैक एंड ग्रीवांस रिड्रेशल- 500
- गार्बेज फ्री सिटी- 1300
- ओडीएफ, ओडीएफ प्लस, ओडीएफ प्लस प्लस, वाटर प्लस- 1200

झारखंड की विशिष्ट पहचान का प्रतीक है यहां का आदिवासी समाज : चमरा लिंडा

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा ने कल्याण कॉम्प्लेक्स में आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा और अन्य अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने आदिवासी समुदाय के लिए राज्य सरकार की योजनाओं और नीतियों की समीक्षा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 को आदिवासी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इसके लिए समर्पित प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड की विशिष्ट पहचान का प्रतीक यहां का आदिवासी समाज

है। जिसकी संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली इस भूमि की धरोहर हैं। उन्होंने आदिवासी समाज के गौरवशाली अतीत को संरक्षित करने और उनके आत्मसम्मान को सशक्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में प्रबन्ध निदेशक टीसीडीसी नीलसोम बागे, उप निदेशक धीरेंद्र सिंह, अप निदेशक मोनिका टूटी, राकेश उरांव और अमृता कुजूर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

हजारीबाग का पदमा ओपी बनेगा थाना देवघर हवाई अड्डा के पास खुलेगा ओपी

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न उच्चस्तरीय समिति की बैठक में हजारीबाग के पदमा ओपी को थाना का दर्जा देने का फैसला लिया गया। वहीं एक अन्य फैसले में देवघर हवाई अड्डा के पास नया पुलिस आउट पोस्ट खोलने पर मुहर लगाई गई। गौरतलब है कि पदमा में पुलिस आउट पोस्ट काफी अर्से से कार्यरत है। बैठक में बताया गया कि पदमा ओपी का कार्य क्षेत्र काफी बड़ा है। इसका सृजन बरही थाना से दूर स्थित एनएच 30 के इलाके में विधि

व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए किया गया था। लेकिन, अब यह इलाका विस्तृत आबादी वाले क्षेत्र में परिवर्तित हो गया है। इस इलाके में आपराधिक गतिविधियां भी बढ़ी हैं। सड़क हादसे में वृद्धि, बढ़ते उद्योग और उग्रवादियों की सक्रियता तथा सांप्रदायिक सद्भावना बिगाड़ने की कोशिशों के मद्देनजर पदमा ओपी को पूर्ण थाना में उत्क्रमित करने का निर्णय लिया गया। पदमा ओपी को थाना में उत्क्रमित करने में अनुमानित दो करोड़ 70 लाख रुपये खर्च होंगे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सदर अस्पताल में हुआ कार्यशाला का आयोजन, बोले एक्सपर्ट्स-

शहरीकरण, जंगलों की कटाई व मानवीय गतिविधियों ने बढाया प्रदूषण

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल परिसर में 'जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ वायु और स्वास्थ्य' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, ओएसडी झारखंड पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड संजय श्रीवास्तव, मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद, स्टेट एपिडेमियोलॉजिस्ट प्रवीण कर्ण और अंकिता ज्योति ने भाग लिया। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण को लेकर जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वायु प्रदूषण मृत्यु का एक प्रमुख कारण बन चुका है। शहरीकरण, जंगलों की कटाई और अन्य मानवीय गतिविधियां इस समस्या को बढ़ा रही हैं। मौके पर जिला कार्यक्रम समन्वयक, जिला डाटा प्रबंधक, रिजनल को-आर्डिनेटर, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी उपस्थित थे।

गर्मी से बचाव के इंतजाम : प्रवीण कर्ण ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती गर्मी और उसके स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गर्मी से बचाव के लिए स्वास्थ्य केंद्रों में व्यवस्था की गई है। साथ ही ट्रैफिक सिग्नल पर छाया के लिए शेड का प्रबंध करने और चौक-चौराहों पर ठंडे पानी की व्यवस्था करने पर जोर दिया।

श्री आर का फामूर्ला होगा कारगर : मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के पीछे मानव गतिविधियों का बड़ा योगदान है। उन्होंने विकास और शहरीकरण को मुख्य कारण बताया और कहा कि हमें प्रकृति के संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने ट्रिपल आर (रिड्यूस, रियूज और रिसाइकिल) के महत्व पर भी बल दिया।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद व स्टेट एपिडेमियोलॉजिस्ट प्रवीण कर्ण ने रखे अपने विचार

सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण को लेकर जागरूकता फैलाने पर दिया जोर

कूड़ा जलाने से बचें, पौधे लगाएं

संजय श्रीवास्तव ने शहर में प्रदूषण कम करने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कूड़ा जलाने से बचने और सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण को बढ़ावा देने की बात की। कार्यशाला में इस वर्ष के विश्व स्वास्थ्य दिवस का थीम स्वास्थ्य शुरूआत, आशाजनक भविष्य पर भी चर्चा की गई, जो मुख्य रूप से मां और नवजात बच्चों की सेहत और सुरक्षा पर केंद्रित है।

आरपीएफ ने शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म दो से शराब के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम प्रेममनी कुमार है। वह बिहार के नालंदा का रहने वाला है। आरपीएफ के निरीक्षक रूपेश ने आज बताया कि रांची मंडल के आरपीएफ मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर स्टेशनों और ट्रेनों में शराब की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान जारी है' इसी क्रम में आरपीएफ टीम ने देखा कि एक व्यक्ति हटिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्य दो में संदिग्ध तरीके से पिट्ठू बैग को लेकर बैठा है। संदेह होने पर उसे रुकवाकर उसके बैग की तलाशी ली गई, जिसमें 29 बोतल शराब (बीयर)

जब्त किया गया।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह शराब हटिया से खरीदा और उसे अधिक दाम में बेचने के लिए बिहार ले जा रहा था। बरामद शराब और गिरफ्तार व्यक्ति को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया।

जय श्री राम... बजरंग बली की जय... से गूंजी लौहनगरी

साकची में निकले अखाड़े में बजरंग बली व वानर सेना के वेश में सजे कलाकार

PHOTON NEWS JSR : लौहनगरी में सोमवार को रामनवमी का विसर्जन जुलूस पूरे हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। इस दौरान पूरा शहर जय श्री राम... बजरंग बली की जय... के उद्घोष से गूंजता रहा। ये जुलूस शहर के विभिन्न नदी घाटों पर पहुंचे, जहां नवरात्र में स्थापित किए गए कलश व मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। शहर में कुल 197 अखाड़ों ने विसर्जन जुलूस निकाला, जिसमें 172 लाइसेंसी और 25 गैर-लाइसेंसी अखाड़े शामिल हैं। सबसे अधिक 53 विसर्जन जुलूस साकची के स्वर्णरेखा नदी घाट पर पहुंचे। इसके बाद बिष्टुपुर के बोधनवाला घाट पर 32 विसर्जन जुलूस पहुंचे। सोनारी के बालू घाट पर 19, बागबेड़ा के बडौदा घाट पर 14 और सीतारामडेरा के भुइयांडीह पांडेय घाट पर 17 विसर्जन जुलूस पहुंचे। इसके अलावा, परसुडीह के नरवा घाट, टेल्को के जेम्को घाट, बागबेड़ा के बडौदा घाट, बिरसानगर के हुरलुंग घाट, बारीडीह के स्वर्णरेखा घाट आदि पर भी विसर्जन किया गया। मानगो से भी करीब एक दर्जन अखाड़ों ने विसर्जन जुलूस निकाला। जुलूस में शामिल राम भक्त झंडा लिए हुए जय श्री राम के नारे लगाते हुए चल रहे थे। सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही। कोल्हान के डीआईजी मनोज रतन चौथे, डीसी अनन्य मित्तल और एसएसपी किशोर कौशल कंट्रोल रूम से पूरे शहर की निगरानी कर रहे थे। इससे पहले दिन में ही एसएसपी और डीसी ने बाइक पर सवार होकर जुलूस के प्रमुख मार्गों की निगरानी की थी।

समाचार सार

पूर्व सैनिकों ने टेल्को में लगाया शिविर

JAMSHEDPUR : रामनवमी के अवसर पर सोमवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने टेल्को स्थित लेबर ब्यूरो के पास

शिविर लगाया, जिसमें विसर्जन जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं के बीच चना-गुड़ व शरबत का वितरण किया। परिषद के जिला अध्यक्ष विनय कुमार यादव व जिला महामंत्री जितेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में लगे शिविर में मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले व तुलसी भवन से संजय तिवारी भी उपस्थित रहे।

आंदोलनकारी चरण मुर्मू की मनाई पुण्यतिथि

GHATSILA : पावड़ा गांव निवासी झारखंड आंदोलनकारी चरण मुर्मू की

छठी पुण्यतिथि सोमवार को मनाई गई। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा कि चरण मुर्मू ने अपने जीवन के स्वर्णिम समय को झारखंड आंदोलन में न्योछावर कर दिया था। झारखंड आंदोलन में महीनों तक जेल में रहे। मार्च 1993 में आर्थिक नाकाबंदी के दौरान भी साकची जेल में करीब दो माह रहे। इस दौरान चरण मुर्मू के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में आंदोलनकारी की पत्नी फूलमनी मुर्मू, पुत्र सुवधा मुर्मू, झामुमो नेता कानू सामंत, काजल डॉन, कलाचंद सरकार, सुशील मार्डी, सागर पाणि, राजा सिंह, मिर्जा मुर्मू आदि भी शामिल थे।

पद्माबाई रुंगटा शतरंज प्रतियोगिता 18 से

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला शतरंज संघ के तत्वाधान में

एसआर रुंगटा ग्रुप द्वारा 14वीं पद्माबाई रुंगटा मेमोरियल जिला शतरंज प्रतियोगिता 18 अप्रैल से शुरू होगी। प्रतियोगिता का समापन 20 अप्रैल को सीताराम रुंगटा रिक्रिएशन हॉल टाउन क्लब में होगा। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में जिले के किसी भी आयु के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। शीर्ष चार खिलाड़ियों का चयन सीनियर राज्य शतरंज प्रतियोगिता 2025 के लिए किया जाएगा। संघ के सचिव बसंत खंडेलवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में 21,000 रुपये नकद पुरस्कार व 22 ट्रॉफी दी जाएगी। प्रतियोगिता का प्रवेश शुल्क 100 रुपये रखा गया है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 6000 रुपये दिया जाएगा, जबकि शेष राशि शीर्ष 15 खिलाड़ियों को दी जाएगी। प्रतियोगिता में प्रवेश की अंतिम तिथि 16 अप्रैल है।

ढाबा से अवैध महुआ शराब व बियर के साथ दो गिरफ्तार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र के जयपुर स्थित एक लाईन होटल में उत्पाद विभाग ने भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद किया। जानकारी के अनुसार, उत्पाद विभाग की टीम ने मौके से चार पेटी बियर और 30 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त किया है। इस दौरान दो आरोपी गिरफ्तार भी किए गए हैं।

बाइक अनियंत्रित होने से छात्र घायल

CHAIBASA : रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग एनएच-75ई पर चक्रधरपुर से चाईबासा लौट रहे मधुसुदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के छात्र अनुज पुरती की बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटना हो गई। घटना के बाद कॉलेज के छात्रों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया। छात्र के सिर पर पांच टांके लगाए गए हैं। अनुज विधायक सुखराम उरांव के बेहद करीबी माने जाते हैं। वे बिशप फूलचंद महतो के भी करीबी हैं। अनुज पुरती ईसाई समाज एवं ऑल चर्च यूथ का भी सक्रिय सदस्य है। खबर सुनकर विधायक सुखराम उरांव ने भी घटना की जानकारी ली और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है।

रैश ड्राइविंग में सोनारी के युवक की हो गई मौत

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर के सर्किट हाउस रोड में सोमवार को रैश ड्राइविंग की वजह से सोनारी निवासी युवक कालीचरण गोप की मौत हो गई। बताया जाता है कि रैश ड्राइविंग के दौरा बाइक डिवाइडर से टकरा गई थी। इस घटना में बाइक पर बैठा कालीचरण का साथी रोहन गंभीर रूप से घायल है।

उसे रांची रिम्स ले जाया गया है। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसकी वजह से सिर पर गंभीर चोट आई। घटना दोपहर करीब 1.45 बजे की है। दोनों सोमवार को दिन में सार्वजनिक अखाड़ा समिति, खूंटाडीह के विसर्जन को लेकर किसी काम से साकची की तरफ जा रहे थे। तभी यह हादसा हुआ। घटना के बाद स्थानीय लोग घायल दोनों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले गए। सूचना मिलने पर परिवार के लोग भी पहुंच गए।

कालीचरण को परिजन एमजीएम अस्पताल से टीएमएच ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कालीचरण सार्वजनिक अखाड़ा समिति खूंटाडीह का सक्रिय सदस्य था। घटना के बाद समिति के लोग शोक में डूब गए।

विसर्जन जुलूस में बन्ना गुप्ता ने भी बजाया डंका

JAMSHEDPUR : राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने रामनवमी के विसर्जन के दिन शहर के विभिन्न अखाड़ा समितियों का दौरा किया, जहां उन्हें पगड़ी पहनाकर एवं तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। अखाड़े में बन्ना गुप्ता ने भी जमकर डंका बजाया और लाठी भांजते हुए अखाड़े का लुत्फ उठाया। इस मौके पर बन्ना गुप्ता ने झारखंडवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन हमें श्रेष्ठ मनुष्य के रूप में आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

विसर्जन जुलूस में हाईटेंशन तार की चपेट में आए 6 लोग, एक गंभीर

टीएमएच में घायल को लाने के दौरान मौजूद परिजन व अखाड़े के सदस्य

JAMSHEDPUR : रामनवमी के पावन अवसर पर निकाले जा रहे विसर्जन जुलूस के दौरान सोमवार को यशोदानगर में दर्दनाक हादसा हो गया। परसुडीह थाना क्षेत्र के यशोदानगर में बजरंग अखाड़ा कमेटी के जुलूस में शामिल एक झंडा अचानक ऊपर से गुजर रहे हाई टेंशन बिजली के तार से छू गया। तार से छूते ही झंडे में करंट दौड़ गई, जिसकी चपेट में आकर 6 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में संजय कुमार सिंह की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है, जिसे तुरंत टीएमएच में भर्ती कराया गया है। अन्य घायलों में विजय कुमार डे, विजय कुमार, शमी कुमार प्रसाद, प्रदीप वर्मा आदि हैं। इनका इलाज टाटा मोटर्स अस्पताल में चल रहा है। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और जुलूस की रौनक एक पल में मातम में बदल गई। बिजली विभाग की लापरवाही पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि ऐसे जुलूसों के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाने चाहिए।

बागबेड़ा में विसर्जन जुलूस से पहले एसआई से मारपीट

- पूर्व से चल रहे विवाद में हुई घटना, पुलिस पदाधिकारी ने कहा- करेंगे कार्रवाई

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा स्थित एलबीएसएम कॉलेज रोड में श्री श्री बजरंग अखाड़ा समिति द्वारा विसर्जन जुलूस निकालने से पहले ही पूर्व से चले आ रहे विवाद में जितेंद्र यादव और स्पेशल ब्रांच के एसआई अमित शर्मा के बीच मारपीट हो गई। घटना सोमवार शाम पांच बजे की है। घटना के बाद जितेंद्र यादव और उसके समर्थकों ने जुलूस निकालने से इन्कार करते हुए एसआई पर कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा किया। सूचना मिलने पर परसुडीह व बागबेड़ा थाना की पुलिस पहुंची, जिसके बाद लॉ एंड आर्डर डीएसपी तौकीर आलम भी वहां पहुंचे। उन्होंने जितेंद्र यादव को आश्वासन दिया कि लिखित शिकायत करें, पुलिस कार्रवाई करेगी, परंतु जितेंद्र यादव सहित अन्य लोग नहीं माने और हंगामा करने लगे। बताया जाता है कि जितेंद्र यादव व अन्य अजय सिंह के घर के पास गालीगलौज कर रहे थे, जिसकी स्पेशल ब्रांच के एसआई अमित शर्मा वीडियो बना रहे थे। इस दौरान जितेंद्र यादव के साथ मौजूद युवकों ने एसआई से मोबाइल छीनने का प्रयास किया, नहीं देने पर लाठी-डडे से मारने लगे। घटना के दौरान दूर खड़ी बागबेड़ा और परसुडीह थाना की पुलिस तमाशा देख रही थी। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि किसी के साथ मारपीट हो रही है। इसके बाद पुलिस पहुंची और ज्यादा मारपीट देख बल प्रयोग कर हमलावरों को हटाया।

स्कूटी से गिर कर युवक की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा मुफस्सिल थाना अंतर्गत बचचोमहातु गांव निवासी रौनक बोदरा की स्कूटी से गिरकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रौनक बोदरा रविवार को रात में हाटगमहरिया के कुदापी गांव से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान झींकपानी थाना अंतर्गत कुदाहातु गांव के पास स्कूटी समेत गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया और घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सोमवार को झींकपानी पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

निजी स्कूलों के खिलाफ भूख हड़ताल शुरू होते ही मच गई खलबली

सात घंटे बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी ने समाप्त कराया अनशन

धरना पर बैठे झामुमो नेता रामलाल मुंडा को जूस पिलाते डीएसई • फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : निजी स्कूलों के खिलाफ झामुमो नेता रामलाल मुंडा के नेतृत्व में अभिभावकों ने सोमवार को प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी कार्यालय के समीप भूख हड़ताल शुरू किया। इसके साथ ही प्रशासनिक महकमे में खलबली गच गई। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत मुंडा ने सुबह सात बजे धरना शुरू कर दिया था। इसके बाद धीरे-धीरे अभिभावक आते गए, तो संख्या बढ़ती गई। मामला बढ़ता देख बीडीओ कांचन मुखर्जी ने मामले को सुलझाने की कोशिश की। इस बीच जिला शिक्षा अधीक्षक प्रवीण कुमार भी पहुंचे। वहां चक्रधरपुर के निजी स्कूलों के प्रिंसिपलों को बुलाया गया। प्रिंसिपलों से वार्ता हुई। धरना पर बैठे अभिभावकों ने स्कूलों द्वारा री-एडमिशन का नाम बदल कर डेवलपमेंट फी के रूप में मोटी रकम वसूलने तथा स्कूल ड्रेस, जूता और किताबों के नाम पर व्यावसायीकरण का आरोप लगाया। कुछ स्कूलों पर बच्चों और अभिभावकों के साथ सही व्यवहार नहीं करने का भी आरोप लगाया। इन सभी समस्याओं को सुनने के पश्चात डीएसई प्रवीण कुमार ने प्रिंसिपलों को सुधार करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह से अतिरिक्त फीस नहीं लेना है। अभिभावकों को किताबें और ड्रेस खरीदने के लिए दबाव नहीं देना है। स्कूलों में जूता, ड्रेस या किताब नहीं बेचना है। यदि जांच में ऐसा करते हुए मिला तो स्कूल का लाइसेंस रद्द किया जाएगा।

छऊ नृत्य क्लब भंडारीसाई, छऊ नृत्य कला केंद्र रंगपुर व राजनगर क्रमशः रहे श्रेष्ठ, आज होगी मानभूम शैली की प्रतियोगिता

सरायकेला में राजकीय चैत्र पर्व-सह-छऊ महोत्सव प्रारंभ

PHOTON NEWS SERAIKELA : जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को राजकीय चैत्र पर्व सह छऊ महोत्सव प्रारंभ होगा। तीन दिवसीय आयोजन में पहले दिन सरायकेला शैली, दूसरे दिन 8 अप्रैल को मानभूम और 9 अप्रैल को खरसावां शैली की प्रतियोगिता होगी।

पहले दिन राजकीय छऊ नृत्य कला केंद्र प्रेक्षागृह में सरायकेला शैली की प्रतियोगिता हुई, जिसमें जय मां बसंती कला परिषद-टेंटोपोसी, राधा कृष्ण कला परिषद-पारोलपोसी, शिवमंदिर छऊ नृत्य क्लब-कोटारचारा, राजनगर, नवयुवक संघ छऊ नृत्य क्लब-भंडारीसाई, सरायकेला छऊ नृत्य कला केंद्र-रंगपुर, जय बहादुर कला परिषद टेंटोपोसी, वीणापाणि छऊ नृत्य क्लब चौका, श्रीश्री शिव शक्ति छऊ नृत्य कलाकेंद्र-देवगिरिसाई सहित कुल आठ दलों ने भाग लिया।

मंच पर उपस्थित कलाकार • फोटोन न्यूज

इसमें निर्णायक मंडली के निर्णय को अंचल अधिकारी भोला शंकर महतो ने घोषित किया, जिसमें प्रथम स्थान नवयुवक संघ छऊ नृत्य क्लब-भंडारीसाई, द्वितीय स्थान सरायकेला छऊ नृत्य कलाकेंद्र-रंगपुर तथा तृतीय पुरस्कार शिव मंदिर छऊ नृत्य क्लब-कोटारचारा राजनगर को मिला। निर्णायक के रूप में गुरु तपन कुमार पटनायक, गुरु बृजेंद्र पटनायक, गुरु सुधांशु शेखर पाणि, गुरु रजत पटनायक, गुरु तरुण कुमार भोल व गुरु मनोरंजन साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम से पूर्व विख्यात नृत्यश्री कामेश्वर भोल एवं सभी निर्णायक मंडली ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

राजकीय छऊ नृत्य कलाकेंद्र के कलाकारों ने सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अंचल अधिकारी ने सभी कलाकारों का स्वागत करते हुए कहा कि जो भी दल पुरस्कार से बाहर रहे, उन्हें मन दुखी करने की जरूरत नहीं है, सभी दल ने अच्छा प्रदर्शन किया।

सभी ने अपनी कला-संस्कृति को बचा कर रखा है, ये बहुत बड़ी बात है, इसलिए निराश होने की जरूरत नहीं है। अपनी टीम को और बेहतर बनाइए और अगले साल के लिए तैयार रखें, सफलता जरूर कदम चूमेगी। प्रतियोगिता में स्थान पाने वाले दलों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

इनकी उपस्थित रही उल्लेखनीय

भोला महांती, सुदीप कबी, रूपेश साहू, कार्यालय कर्मी राजेश महापात्र, नाजिर कृष्णा सोय, आशीष कर, गजेंद्र महांती, पंकज साहू, अभिनाश कबी, गोपाल पटनायक, निवारण महतो, असित पटनायक, राकेश कबी, घसीनाथ भोल, सिद्धू दरोगा, चंदन कबी सहित काफी संख्या में कलाकार उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री ने आंगनबाड़ी सेविकाओं में किया मोबाइल फोन का वितरण

मोबाइल फोन दिखातीं आंगनबाड़ी सेविकाएं • फोटोन न्यूज

GHATSILA : बाल विकास परियोजना की ओर से सोमवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने महिला पर्यवेक्षिका एवं 148 आंगनबाड़ी सेविकाओं में मोबाइल फोन का वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका ही बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा दे रही हैं। शुरूआती शिक्षा अच्छी तरह मिले तो आगे चलकर साक्षरता दर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के साथ महिलाएं कदम से कदम मिलकर काम कर रही हैं, इसीलिए सरकार उन्हें डिजिटल मोड में काम करने के लिए मोबाइल फोन दे रही है। इस मौके पर सीओ सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी निशांत अंबर, विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, प्रखंड अध्यक्ष दुर्गा मुर्मू, काजल डॉन, चंचल सरकार, आनंद गोयल सहित अन्य उपस्थित थे।

बेगूसराय में राहुल गांधी की पदयात्रा महज 24 मिनट में हुई समाप्त

AGENCY BEGUSARAI : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बेगूसराय में पदयात्रा महज 24 मिनट में खत्म हो गई। वह कन्हैया कुमार की 'पलायन रोको और नौकरी दो' यात्रा में शामिल होने आए थे। इसके बाद राहुल गांधी पटना के लिए रवाना हो गए। राहुल गांधी का बेगूसराय में 11 बजे से लेकर 11:45 बजे तक कार्यक्रम तय था। इस दौरान उन्हें पदयात्रा में शामिल होने के साथ ही नुक्कड़ सभा को भी संबोधित करना था, लेकिन राहुल तय समय से 4 मिनट पहले ही 11.41 बजे ही पटना के लिए रवाना हो गए। कपस्या चौक टाउनशिप गेट के पास होने वाली नुक्कड सभा क्यों रद्द की गई, अभी तक इसकी वजह सामने नहीं आ पाई है। राहुल की पदयात्रा के दौरान करीब 10 हजार लोग मौजूद थे। राहुल गांधी को 6-7 डेलीगेट्स से मिलाने का भी प्लान था, लेकिन भारी भीड़ के कारण वो नहीं मिल सके। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हेलिकॉप्टर से बेगूसराय से पटना के लिए निकले हैं। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अल्लावरु और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह पटना में होने वाले राहुल गांधी के कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हैं। वहीं कन्हैया कुमार बेगूसराय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। इसलिए वो पटना में आयोजित राहुल गांधी के कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगे। चार माह में तीसरी बार राहुल पहुंचे बिहार राहुल गांधी एक दिवसीय बिहार दौरे पर सोमवार सुबह 10 बजे पटना पहुंचे। एयरपोर्ट के बाहर निकलकर पार्टी के नेताओं से मुलाकात की थी। दोपहर एक बजे पटना में राहुल गांधी श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन में शामिल हुए।

बेगूसराय में 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा में शामिल होते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

दलित, आदिवासी, पिछड़ा और महिलाओं की लड़ाई हम लड़ेंगे : राहुल

PATNA : सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश में अगर आप दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, अति पिछड़ा और महिला हो तो आप दोयाम दर्जे के हो। हम आपकी लड़ाई लड़ेंगे। वह बिहार की राजधानी पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने बिहार प्रदेश कांग्रेस की टीम को साफ निर्देश दिया है कि आपको बिहार के गरीबों का नेतृत्व करना है। आपको गरीबों व दलितों को आगे बढ़ाना है। हम आपको राजनीति में लाकर बिहार का चेहरा बदलना चाहते हैं। बिहार की भारतीय जनता पार्टी-जनता दल (यूनाइटेड) सरकार अरबपतियों के जरिए राजनीति कर रही है। अंबानी-अडानी की राजनीति चल रही, उसको हम हराने जा रहे हैं।

पदयात्रा में लोगों का अभिवादन करते राहुल गांधी

BRIEF NEWS

कटिहार रेलवे स्टेशन पर नशाखुरानी गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

KATIHAR : रेलवे पुलिस ने सोमवार को कटिहार रेलवे स्टेशन पर नशाखुरानी गिरोह के तीन कुख्यात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कारी सहनी, उमेश यादव और सुरज हाड़ी शामिल हैं। सभी आरोपी पूर्णियां सदर थाना के निवासी है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ एटीवान 02 एमजी की 60 गोलियां, बिस्कीट के पॉकेट, माजा का कोल्ड ड्रिंक, मास्टर ब्लेड और एक टेम्पो बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी नशा खिलाकर लूटपाट करने के फिराक में थे। रेल पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कारी सहनी नशाखुरानी के केस में सजायाफ्ता है और सजा काटकर बाहर निकला है, जबकि अन्य दो आरोपी उमेश यादव और सुरज हाड़ी जमानत पर हैं। उमेश यादव और सुरज हाड़ी ने पुलिस की पूछताछ में 10-11 मार्च 2025 की रात जोगबनी कटिहार इंटरसिटी में कटिहार स्टेशन पर मजा और बिस्कीट में नशा की गोली खिलाकर लूटपाट करने की बात स्वीकार की है।

झमटा में आगजनी एक दर्जन से अधिक घर जलकर हुए राख

ARARIA : अररिया सदर प्रखंड के झमटा गांव में सोमवार को हुए आगजनी की घटना में एक दर्जन से अधिक घर जलकर राख हो गए। आगजनी की घटना झमटा गांव वार्ड नंबर-12 में भीषण आग ने करीबन बीस घरों को अपने आगोश में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि स्थानीय लोगों के प्रयास से सफलता नहीं मिली, जिसके बाद अग्निशमन विभाग की टीम ने स्थानीय ग्रामीणों के मदद से घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया,लेकिन तब तक लाखों रुपये की संपत्ति पूरी तरह जलकर राख हो गई। आगजनी में करीबन सात मवेशी की झुलसने से मौत हो गई। आगजनी में प्रभावित परिवारों का अनाज, कपड़े, फर्नीचर समेत सारा सामान जलकर राख हो गया। आगजनी के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

उद्यमिता व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आईटी विभाग की मजबूत पहल

10 नई स्टार्टअप कंपनियों को मिला निःशुल्क ऑफिस स्पेस

AGENCY PATNA : बिहार में उद्यमिता एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सूचना एवं प्रावैधिकी विभाग ने वर्ष 2024 में नई आईटी नीति लाई थी, जिसका असर अब पूरे बिहार में दिखने लगा है। सरकार की नई आईटी नीति से न सिर्फ राज्य में चार हजार करोड़ रुपये के नए निवेश के प्रस्ताव मिले हैं, बल्कि सरकार की इस पहल से राज्य के हजारों युवाओं को रोजगार से जोड़ने की मुहिम को एक नई रफ्तार भी मिली है। राज्य के सूचना एवं प्रावैधिकी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने सोमवार को बिस्कोमान भवन में राज्य की 10 नई स्टार्ट अप कंपनियों को निःशुल्क ऑफिस स्पेस उपलब्ध कराया। इस मौके पर आईटी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह और विभाग के विशेष सचिव अरविन्द कुमार चौधरी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। ये सभी ऑफिस स्पेस बिस्कोमान टावर की नौवीं और 13वीं मंजिल पर स्थित है।

इस मौके पर राज्य के आईटी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने कहा कि बिहार आईटी नीति-2024 के तहत पहले से ही निवेशकों को पूंजीगत निवेश और रोजगार सृजन के अवसर दिए जा रहे हैं। इस नीति के तहत निवेशकों को पूंजी निवेश सब्सिडी, ब्याज अनुदान सब्सिडी, लीज रेंटल सब्सिडी, विद्युत बिल सब्सिडी, रोजगार सृजन सब्सिडी जैसे कई लाभ दिए जा रहे हैं। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए हमें स्टार्ट अप को बढ़ावा देना होगा।

इस मौके पर उन्होंने हाईप्रोटेक इंडिया टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड, ग्रीन स्टार्क इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लिमिटेड, फ़्लो एपीआइज प्राइवेट लिमिटेड, सेवासिटी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, स्कास टेक्नोलॉजिज प्राइवेट लिमिटेड, ऑस्टोमवर्स इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड, मोमेंटम प्लस ऑनलाइन टेक्नोलॉजी, पॉलीट्रॉपिक सिस्टम प्रा. लिमिटेड, मकासा इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड और एचपीएफ वेंचर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के युवा उद्यमियों को दफ्तर की चाबियां सौंपी।

आईटी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने बताया कि नई आईटी नीति के तहत सरकार स्टार्टअप कंपनियों को छह महीने के लिए निःशुल्क ऑफिस स्पेस उपलब्ध कराती है। इसके बाद इन कंपनियों के कार्यों की समीक्षा कर-के आवंटन अवधि को अगले छह महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है। पहले कुल 13 स्टार्ट अप कंपनियों को बिस्कोमान टावर में स्पेस आवंटित किया जा चुका है।

प्रतीकात्मक फोटो

मिथिला के पाहुन भगवान श्रीराम के अवतरण दिवस पर निकाली गई रथ यात्रा

AGENCY SAHARSA : महिषी श्री रामनवमी पूजा समिति द्वारा भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के अवसर पर परंपरागत रथ यात्रा का आयोजन किया गया।जिसमें बच्चों को श्री राम,लक्ष्मण, सीता एवं हनुमान का रूप देकर रथ पर झांकी निकाला गया। वहीं आकर्षण के केंद्र बाहुबली हनुमान के करतबों से श्रद्धालुओं का उत्साह और बढ़ गया।यह रथ यात्रा महिषी के रामशाला से शुरू होकर तारास्थान से गोरहो चौक से सतरवार होते हुए पुनः रामशाला पर समाप्त हुआ। जिसमें हाथों में भगवा झंडा ले राम नाम के जयकारों के साथ सैकड़ों की संख्या में रामभक्त शामिल रहे। परंपरागत मूर्ति पूजन के पश्चात समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया।मौके पर महिषी थानाध्यक्ष जयशंकर कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने यात्रा पर नजर रखते हुए रथ यात्रा का समापन किया। यात्रा के दौरान समिति के अध्यक्ष गौतम झा, सचिव दीपक ठाकुर, कोषाध्यक्ष केशव वत्स, अंशु ठाकुर, पृथ्वी ठाकुर, अमन चौधरी, मोनू मिश्रा, गोलू मिश्रा, आयुष ठाकुर, अनमोल झा, कार्तिक शुभम, रोहन झा, उत्सव झा, अभिषेक झा, लक्ष्मीकांत झा, मदन मोहन ठाकुर सहित महिषी के ग्रामीण अभिभावक एवं अन्य युवा सक्रिय रहे।

निबंधन कार्यालय का हुआ उद्घाटन

SAHARSA : मंत्री निबंधन, उत्पाद रत्नेश सादा एवं जिलाधिकारी वैभव चौधरी ने नव निर्मित सोनवर्षा निबंधन कार्यालय का सोमवार को फीता काटकर शुभारंभ किया। उक्त अवसर पर संबोधित कर मंत्री ने कहा कि उक्त वर्णित निबंधन कार्यालय के शुभारंभ होने से क्षेत्र की जनता को निबंधन संबंधित कार्य में सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री खेल ज्ञान उत्सव का हुआ आयोजन

AGENCY BHAGALPUR : मुख्यमंत्री खेल ज्ञान उत्सव 2025 का आयोजन सोमवार को भागलपुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला अधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उल्लेखनीय हो कि इसमें प्रमंडल स्तरीय लिखित एवं स्टेज राउंड प्रतियोगिता रखी गई है। इस कार्यक्रम में शामिल होने शहर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं पहुंचे हुए हैं। भागलपुर जिले की 10 टीम और बांका जिले की 10 टीम इसमें हिस्सा ले रही है, जिसमें निबंध प्रतियोगिता के साथ-साथ स्टेज पर बच्चे अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करेंगे। बेहतर करने वाली टीमों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा जाएगा।

बिहार में मौसम लेगा करवट, राज्य के 32 जिलों में बारिश का अलर्ट

AGENCY PATNA : बिहार में मौसम करवट लेने वाली है। इसको लेकर अलर्ट जारी किया गया है। पटना के मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के 6 जिलों को छोड़कर बाकी 32 जिलों में बारिश, वज्रपात, मेघगर्जन के साथ साथ तेज हवा चलने का अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी ने 10 और 11 अप्रैल के लिए यह अलर्ट जारी किया है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने 10 और 11 अप्रैल को बिहार के कई जिलों में भयंकर बारिश होने की संभावना जताई है। इन जिलों में पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, औरंगाबाद, बेगूसराय, जहानाबाद, नवादा, नालंदा, मुंगेर, सारण, वैशाली, गोपालगंज, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, मधुबनी, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, सहरसा, सुपौल, खगड़िया, लखीसराय, जमुई, शेखपुरा, समस्तीपुर, शिवहर, बांका, और मधेपुरा शामिल हैं। इस दौरान इन जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से हवा चलने का भी पूवार्नुमान है।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि एक वेस्टर्न विक्षोभ एक्टिव हो रहा है, जिसका असर बिहार में भी दिखाई दे सकता है। इस वजह से 7 से 11 अप्रैल तक प्रदेश का मौसम बदला हुआ रहेगा। इस अवधि में अधिकांश जिलों में बारिश होने की संभावना है, और आइएमडी ने इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश के अलावा बिहार के कई जिलों में ठनका गिरने और तेज हवा चलने की भी संभावना है। ऐसे मौसम में किसानों को एहतियात बरतने की सलाह दी गई है।

इंटरमीडिएट के राज्य स्तर पर टॉप टेन छात्र छात्राओं को डीएम ने किया सम्मानित

AGENCY ARARIA : इंटरमीडिएट एवं वार्षिक माध्यमिक परीक्षा में राज्य स्तर पर टॉप तीन रैंक में शामिल जिले के छात्र-छात्राओं को डीएम अनिल कुमार द्वारा सोमवार को सम्मानित किया गया।डीएम के कार्यालय कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावक, डीईओ संजय कुमार, समाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक नितेश कुमार पाठक सहित शिक्षक उपस्थित थे।

मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि ये छात्र-छात्राएं अररिया जिले का नाम पूरे राज्य में रोशन कर रहे हैं और शिक्षा के क्षेत्र में इनकी मेहनत, लगन, एवं समर्पण प्रशंसा के योग्य है। उन्होंने बच्चों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और उनके सफलता की इस सफलता की कहानियों को अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस क्रम में जिलाधिकारी द्वारा फारबिसगंज कॉलेज फारबिसगंज की छात्रा निधि शर्मा को सम्मानित किया, जो इन्टरमीडिएट वार्षिक परीक्षा में पूरे राज्य में 470 अंक के साथ वाणिज्य संकाय में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया गया है। इसी प्रकार डीएम द्वारा वार्षिक माध्यमिक परीक्षा में पूरे राज्य में 483 अंक के साथ 7वां रैंक प्राप्त माध्यमिक विद्यालय पैकपार भरगामा की छात्रा मानसी सिंह, 481 अंक के साथ 9वां रैंक प्राप्त एलएस उच्च विद्यालय पलासी पटेगना के छात्र आर्यन कुमार साह, 480 अंक के साथ 10वां रैंक प्राप्त उच्च विद्यालय अररिया की छात्रा सादिया परवीन एवं 480 अंक के साथ ही 10वां रैंक प्राप्त उत्क्रमित उच्च विद्यालय मिजापुर के छात्र प्रियांशु कुमार को सम्मानित किया गया।

वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पारित होने के बाद फारबिसगंज पहुंचे सांसद

ARARIA : लोकसभा और राजसभा से वक्फ संशोधन बिल के पारित होने के बाद पहली बार फारबिसगंज पहुंचे अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह का भाजपा कार्यकताओं ने बुके और फूल माला देकर स्वागत किया। भाजपा कार्यकताओं ने मौके पर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अररिया सांसद को लेकर जमकर नारेबाजी भी की। मौके पर सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक भ्रष्टाचार मुक्त शासन व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा। इस विधेयक से पारदर्शिता, जवाबदेही और आम मुस्लिम समाज को न्याय अधिकार और सशक्तिकरण के वास्तविक लाभ को भी सुनिश्चित करेगा।

पांच दोषियों को हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा

AGENCY ARARIA : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रवि कुमार की अदालत ने आठ साल पहले गला दबाकर हत्या करने वाले पांच दोषियों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा के साथ 50-50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने अपने फैसले में हत्या के अपराध के साथ ही साक्ष्य छुपाने के मामले में पांच वर्षों के साथ 10-10 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। साथ ही न्यायालय ने दोनों ही धाराओं में सजा साथ चलाने का आदेश अपने निर्णय में दिया है।

मामला अररिया थाना प्राथमिकी कांड संख्या 585/2016 से सबंधित हैं। सजा पाने वाले दोषियों में लालटू उर्फ अरविंद यादव पिता भोला नाथ यादव, अशोक यादव पिता स्वर्गीय तुलसी प्रसाद यादव, अशोक साह पिता परमानंद साह, नरेन्द्र कुमार यादव पिता जीतन लाल यादव है। सभी दोषी महलगांव थाना क्षेत्र बागनगर के रहने वाले हैं। वहीं पांचवां दोषी महलगांव थाना क्षेत्र के मलहरिया गांव के बीरेंद्र यादव पिता मोहन लाल यादव हैं। प्राथमिकी कन्हैया यादव पिता मायानन्द यादव के द्वारा दर्ज कराई गई थी। दोषियों ने 6 सितम्बर 2016 को दिन के 4 बजे गांव बागनगर महलगांव चौरा शिव मंदिर के निकट एबीसी नहर में आपसी विवाद में कन्हैया यादव के भाई मुरली यादव की गला मरोड़कर हत्या कर दी थी और लाश को नहर के पानी में छुपा दिया था।

सजा की बिंदु पर सुनवाई करते हुए बचाव पक्ष के अधिवक्ता कृष्ण मोहन सिंह और देव नारायण सेन ने कोर्ट से कम उम्र का हवाला देते हुए कम से कम सजा सुनाए जाने की गुहार लगाई, जबकि सरकार की ओर से लोक अभियोजक लक्ष्मी नारायण यादव और अपर लोक अभियोजक प्रभा कुमारी ने न्यायालय के समक्ष अपनी दलीलें दी। दोनों ही पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने दोषियों को आजीवन सश्रम कारावासऔर जुमार्ने की सजा सुनाई।

स्वच्छता शिक्षा विश्व स्वास्थ्य दिवस को लेकर कार्यक्रम आयोजित, छात्र-छात्राओं के लिए हुई प्रतियोगिता

स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना उद्देश्य : भूदेव चौधरी

AGENCY BHAGALPUR : विश्व स्वास्थ्य दिवस को लेकर सोमवार को डिटॉल बनेगा स्वस्थ्य इंडिया प्लान इंडिया स्वच्छता शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय उच्च विद्यालय धौनी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि धोरैया विधायक भूदेव चौधरी, विशिष्ट अतिथि जिला कृषि पदाधिकारी विकास कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सलमान, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संदीप, प्रधानाचार्य मध्य विद्यालय धौनी अरुण कुमार सिंह एवं कमल जायसवाल समाजसेवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भूदेव चौधरी ने कहा कि हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन और स्वास्थ्य संबंधित संगठनों द्वारा पूरे विश्व में स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य अच्छे स्वास्थ्य की महत्व की प्रति लोगों के जागरूकता को बढ़ावा देना है। विशिष्ट अतिथि जिला कृषि पदाधिकारी विकास कुमार ने कहा कि हर साल यह दिवस अलग-अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस साल वर्ल्ड हेल्थ डे की थीम सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी व्यक्तियों और समुदायों को वित्तीय कठिनाई का सामना किया बिना उनकी जरूरत की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचे।

जिला लीड शंभू कुमार सिंह ने कहा कि चेक अप से आपकी शारीरिक और मानसिक सेहत का आकलन किया जा सकता है। इससे आपको एक हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करने में मदद मिलती है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रजौन डॉक्टर सलमान ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के मूल्य के बारे में जागरूकता पैदा करना है केवल शारीरिक नहीं बल्कि किसी भी व्यक्ति के मानसिक और भावात्मक स्वास्थ्य की देखभाल करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

इंडिया स्वच्छता शिक्षा कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि विधायक भूदेव चौधरी व अन्य

कोल्डड्रिंक में जहर मिला कर हत्या मामले में दो को आजीवन कारावास

EAST CHAMPARAN : पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार तिवारी ने कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पिलाने से हुई हत्या मामले में दोषी पाते हुए नामजद दो अभियुक्तों को आजीवन कारावास व प्रत्येक को चालीस हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है। अर्थ दंड नहीं देने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा रक्सौल के नागारोड निवासी स्वर्गीय सुंदर साह के पुत्र कृष्णा प्रसाद एवं कृष्णा प्रसाद के पुत्र हनुमान प्रसाद उर्फ दीपू साह को हुई है। मामले में रक्सौल नागारोड वार्ड नंबर 11 निवासी विजय साह ने रक्सौल थाना में मामला दर्ज कराते हुए दोनों को नामजद किया था, जिसमें कहा था कि 27 अप्रैल 2021 को करीब 12 बजे सूचना मिली कि घर से आधा किलोमीटर दूर रक्सौल नागा रोड काली मंदिर के पास उसका पुत्र पियूष कुमार बेहोशी के हालात में पड़ा है। वे सूचना पर गए और अपने पुत्र को उठाकर डंकन अस्पताल में भर्ती कराया। 28 अप्रैल को करीब 11 बजे दिन में उसे कुछ होश आया तो वह छटपटाते हुए बेचैनी में बताया कि वे अभियुक्त गण से दिए रुपए मांगने गया तो वे लोग दुकान पर बैठा लिए तथा कोल्ड ड्रिंक पीने को दिए।

आधुनिक तकनीक और पुरखों का ज्ञान जल संकट का सच्चा समाधान

जल संकट आज दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों, आधुनिक विज्ञान और तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है। जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना, ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल चार फीसदी मीठा पानी है, लेकिन देश की 18 फीसदी आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू-चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है। स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडल गांव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीक का उपयोग करके भू-जल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहा जल उपलब्धता बढ़ी। राजस्थान की जोहड़ प्रणाली से राजस्थान में छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भू-जल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणाली भी कारगर है। इसके अंतर्गत छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भू-जल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं। नागालैंड की जाबो कृषि पद्धति भी सफल है। यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणाली भी वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है। जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएं जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियां मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्य के अंतर्गत तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली के तहत जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएं हैं। समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करती हैं। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गांव की सभाएं छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायत योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। कई बार देश में शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गांवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है। पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं। इसलिए परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। आईआईटी मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएं बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रण के लिए शहरों में अपशिष्ट जल को पुनः उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए। जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ एआई आधारित निगरानी प्रणाली को जोड़कर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

नैतिक पतन के चलते खतरे में इंसानी रिश्ते

ANALYSIS

✍ डॉ. सत्यवान सौरभ

ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। लेकिन, यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएं समाचारों में ज्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं, जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें जरूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्त्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना जरूरी है- परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मजबूत करना और अपराध रोकने के लिए सख्त कदम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं। आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नजर डालते हैं तो चारों ओर अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की खबरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है।

समाज में कितना पतन बाकी है, यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। महिला ने जेठ के साथ मिलकर अपने दो वर्ष के बेटे को मरवा दिया। पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर मर्चेंट नेवी में अफसर पति के टुकड़े-टुकड़े कर ड्रम में डाल दिया। पिता ने नौकर से अपने बेटे की हत्या करवाई। ये कुछ वारदात तो बानगी भर हैं। दरअसल, नैतिक पतन के चलते इस तरह की खबरें अब आम हो रही हैं। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। लेकिन, यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएं समाचारों में ज्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं, जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें जरूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्त्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना जरूरी है- परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मजबूत करना और अपराध रोकने के लिए सख्त कदम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं। आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नजर डालते हैं तो चारों ओर

अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की खबरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है। पारिवारिक संबंधों में विश्वास की कमी, नैतिक मूल्यों का ह्रास और भौतिक सुखों की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को कमजोर कर दिया है। समाज में नैतिकता, रिश्तों की अहमियत और मानवीय संवेदनाएं धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही हैं। हत्या, विश्वासघात, स्वार्थ, लालच और नैतिक पतन की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह देखकर ऐसा लगता है कि समाज एक अंधकारमय दौर की ओर बढ़ रहा है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। समाज में जिस तरह से नैतिक पतन बढ़ रहा है, वह केवल अपराधों की संख्या नहीं, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने के टूटने का संकेत भी देता है। समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहां रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और दोस्तों के बीच भी आजकल स्वार्थ और लालच हावी होता जा रहा है। परिवार, जो पहले प्रेम और सहयोग का केंद्र हुआ करता था, अब झगड़ों और आपसी मतभेदों का शिकार बनता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हत्या, बलात्कार, लूटपाट और धोखाधड़ी जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य तक एक-दूसरे के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का शोषण ही क्यों न करना पड़े। पहले लोग जीवन में धैर्य रखते थे, कठिनाइयों को सहन करते थे, लेकिन आजकल गुस्सा और अधीरता लोगों पर हावी हो गई है। छोटे-छोटे विवाद हिंसक रूप लेने लगे हैं। धर्म केवल दिखावे का साधन बनता जा रहा है, जबकि नैतिकता और ईमानदारी की कीमत घटती जा रही है। लोग दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं, लेकिन खुद सही राह पर नहीं चलते। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहां बुजुर्गों का मार्गदर्शन रहता था, लेकिन अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर पारिवारिक मूल्यों में कमी आ रही है। आर्थिक दबाव, रिश्तों में तनाव और व्यक्तिगत इच्छाओं के टकराव से लोग मानसिक रूप से अस्थिर हो रहे हैं, जिससे वे गलत फैसले लेते हैं। इंटरनेट पर हिंसा, अपराध और अनैतिकता को कहीं न कहीं सामान्य बना दिया गया है। लोग बिना सोचे-समझे घातक कदम उठा लेते हैं। स्कूलों और परिवारों में बच्चों को सही और गलत का फर्क कम सिखाया जा रहा है। लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। अपराधी जानते हैं कि सजा मिलने में देरी होगी या बचने का रास्ता मिल जाएगा, जिससे अपराधों की संख्या बढ़ रही है। अब सवाल है कि इस नैतिक गिरावट को कैसे खत्म किया जाए। दरअसल, यदि परिवार, समाज और सरकार मिलकर सही कदम उठाएं, तो इस गिरावट को रोका जा सकता है। पारिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने के लिए माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए। उन्हें नैतिक शिक्षा देनी चाहिए और सही-गलत का फर्क समझाना चाहिए। तनाव, अवसाद और गुस्से से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न किया जाए। जरूरत हो तो थैरेपी और काउंसलिंग को अपनाया जाए। अपराधियों को कड़ी सजा मिले और कानूनी प्रक्रिया तेज हो, ताकि अपराधियों में डर बना रहे। सकारात्मक कहानियों और नैतिकता से जुड़े कंटेंट को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे समाज में अच्छे मूल्यों की प्रेरणा मिले। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, सहानुभूति और सामाजिक मूल्यों पर जोर दिया जाए। समाज में नैतिकता और इंसानियत बनाए रखने के लिए हम सबको अपनी ज़िम्मेदारी निभानी होगी। यह केवल सरकार या कानून का काम नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को अपने स्तर पर बदलाव लाने की जरूरत है। स्पष्ट है कि घोर कलयुग के इस समय में भी अगर हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो यह अंधकार थोड़ा कम हो सकता है। समाज में नैतिकता और इंसानियत बनाए रखने के लिए हमें खुद से शुरूआत करनी होगी। हम केवल सरकार और कानून व्यवस्था को दोष नहीं दे सकते, बल्कि हमें अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में बदलाव लाने होंगे। घोर कलयुग के इस समय में भी यदि हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो समाज में अच्छाई का पुनर्जागरण संभव है। हमें यह तय करना होगा कि हम इस अंधकार में खो जाना चाहते हैं या फिर अपने प्रयासों से रोशनी की एक नई किरण लाना चाहते हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

यमुना की सफाई और दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने की बड़ी चुनौती

27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 25 मार्च को बतौर वित्तमंत्री एक लाख करोड़ का बजट पेश करके अपनी सरकार के कामकाज की दिशा तय की। दिल्ली के लिए यह ऐतिहासिक बजट माना जा रहा है। बजट में उन सभी कामों के लिए आवंटन किया गया है, जिनके वायदे भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान किए थे। कुछ पर तो काम भी शुरू हो गया है और कुछ पर आने वाले दिनों में काम शुरू होने के संकेत हैं। मुख्यमंत्री ने पिछले बजट से करीब 31.5 फीसदी की बढ़ोतरी की है और उनका दावा है कि इस वित्तीय साल में राजस्व भी 58,750 करोड़ रुपये के मुकाबले 68,000 करोड़ रुपये मिलने वाला है। वैसे तो हर काम में पैसे के साथ-साथ पूरी तैयारी और चौकसी जरूरी है लेकिन यमुना की सफाई के साथ-साथ पानी का संकट दूर करने और दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने की बहुत बड़ी चुनौती है। ये सभी काम केवल पैसे से न होंगे। विधानसभा चुनाव के दौरान अन्य मुद्दों से ज्यादा ये दोनों मुद्दे प्रभावी रहे। सरकार बनते ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ यमुना की आरती में शामिल हुईं और यमुना को साफ करने का संकल्प दोहराया। यमुना का पानी मानक के हिसाब से तो यमुनोत्री के आगे कुछ ही दूर तक साफ है, लेकिन दिल्ली में पल्ला बांध (वजीराबाद) से ओखला यानी 22 किलोमीटर तो गंदे नाले से भी बदतर हाल में है। इसको साफ करने के नाम पर वर्षों से करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इस सरकार ने बजट में यमुना की सफाई के लिए नौ हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह वर्षों से प्रयास किया जा रहा है कि यमुना में गंदा पानी जाने से रोका जाए। यमुना को साफ कर उसे अहमदाबाद के साबरमती नदी की तरह विकसित की जाए। यमुना के किनारे कोयले बिजली बनाने वाले संयंत्र सालों पहले बंद करा दिए गए। औद्योगिक कचरे या सीवर के गंदे पानी को साफ करने वाले संयंत्रों के माध्यम से साफ करके ही पानी यमुना में जाने दिया जाए। यमुना को प्रदूषित करने में अव्वल माने जाने वाले नजफगढ़ नाले में इंटरसेप्टर लगवाया गया। इस बजट में भी नए इंटरसेप्टर का प्रावधान किया गया है। 1994 में जब यमुना के पानी में दिल्ली को तब के मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना ने हिस्सा दिलाया था, तब दिल्ली का हरियाणा के साथ एक और समझौता हुआ था कि हरियाणा जितना पीने का पानी पल्ला बांध पर दिल्ली को देगा, दिल्ली उसे उतना ही पानी ओखला बांध पर सिंचाई के लिए देगी। अभी यमुना का पानी साफ होने को ही दिल्लीवासी सपना मान रहे हैं। अगर ऐसा हो गया तो दिल्ली पानी के मामले काफी आत्मनिर्भर हो जाएगी और यमुना साफ होकर दर्शनीय बन जाएगी। यमुना सफाई जितना ही कठिन काम दिल्ली को प्रदूषण मुक्त या यहां का प्रदूषण स्तर कम करना है। दिल्ली सरकार के बजट में इसको भी प्राथमिकता दी गई है। अलग-अलग तरीके से प्रदूषण नियंत्रित करने की बात कही गई है लेकिन बड़ी बात यह है कि सभी तरह के प्रदूषण (वायु, जल और हवा इत्यादि) के साथ-साथ कचरा और आपदा प्रबंधन के लिए एक ही जगह निगरानी व्यवस्था के लिए साझा केन्द्र (इंट्रीग्रेटेड कमान एंड कंट्रोल सेंटर) बनाने का प्रावधान किया गया है। कहने के लिए 1483 वर्ग किलोमीटर की दिल्ली है लेकिन एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के शहर दिल्ली से इस कदर जुड़े हुए हैं कि उन सभी को साथ लिए बिना कोई अभियान सफल नहीं हो सकता। केंद्र सरकार के साथ मिलकर दिल्ली के सभी पड़ोसी राज्यों, दिल्ली नगर निगम और दूसरी सरकारी एजेंसियों को साथ लेकर जनता की सक्रिय भागीदारी से इसका समाधान निकाला जा सकता। यह साबित हो चुका है कि केवल आधे कारों को हर रोज सड़क पर आने से रोकने से वायु प्रदूषण में ज्यादा कमी नहीं आने वाली है। दूसरे, सरकारी कुव्यवस्था झेल रहे सार्वजनिक परिवहन प्रणाली इस हालत में भी नहीं है कि दिल्ली सरकार इस तरह के प्रयोग बार-बार कर पाए। गिनती के बचे दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और सरकार के अधीन चलने वाली बसों की तादाद तुरंत बढ़ानी होगी। इस बजट में सार्वजनिक परिवहन पर 12952 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार ने बिजली से चलने वाली पांच हजार बसें तुरंत खरीदने का वायदा किया है। दिल्ली के चारों ओर ईस्टर्न पेरिफेरियल और वेस्टर्न पेरिफेरियल सड़क बन जाने से दिल्ली होकर एक राज्य से दूसरे राज्य जाने वाले ट्रकों का दिल्ली के भीतर आना कम हुआ है। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने दिल्ली के लिए 50 हजार करोड़ की परियोजना बनाई थी, इसमें ज्यादातर पूरे भी हो गए हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) समेत अनेक अदालतों ने दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए बार-बार कड़े आदेश दिए हैं। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की एक बड़ी वजह पराली जलाना भी माना जाता है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के किसान खेत में फसलों के अवशेष जलाते हैं, जिसका धुआं दिल्ली पर छा जाता है। अदालती आदेश के बाद सरकारों ने पराली न जलाने और पराली के दूसरे बेहतर उपयोग के प्रयास शुरू किए हैं। इसी तरह एनजीटी ने पेट्रोल से चलने वाली 15 साल पुरानी और डीजल से चलने वाली 10 साल पुरानी कारों पर पाबंदी लगा दी है। बावजूद इसके, प्रदूषण कम होता नहीं दिख रहा है। दिल्ली में पहले भी सारे व्यावसायिक वाहनों को अदालती आदेश से सीएनजी पर चलाया जा रहा है। हालात एक दिन में खराब नहीं हुए हैं। कुप्रबंधन एवं सरकारी लापरवाही ने दिल्ली के हालात बदतर बना दिए और सुधार के आसार दिख नहीं रहे। सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई 1998 को आदेश दिया कि दिल्ली में चलने वाली सभी बसों को धीरे-धीरे सीएनजी पर लाया जाए। इसकी तारीख 31 मार्च 2001 तय की गई। सरकारें एक- दूसरे पर जिम्मेदारी टालती रही तो अप्रैल 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा सख्त आदेश दिए।

Social Media Corner

सच के हक में...

बिहार के युवाओं में जोश है, कुछ कर दिखाने का - और सरकार के खिलाफ आक्रोश है, उन्हें अवसर और समर्थन नहीं दिलाने का। पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में आज बेगूसराय की सड़कों पर हजारों युवाओं की भावना, उनका कष्ट और संकल्प साफ दिखा। बेरोजगारी और पलायन के खिलाफ ये आवाज अब बदलाव की पुकार बन चुकी है। बिहार अब चुप नहीं बैठेगा, युवा और अन्याय नहीं सहेगा - अपने अधिकार, रोजगार और न्याय की लड़ाई डट कर लड़ेगा।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

रिम्स में आवश्यक दवाएं लंबे समय से उपलब्ध नहीं हैं। मजबूरी में गरीब मरीजों को बाहर की निजी दुकानों से महंगे दामों पर दवा खरीदनी पड़ रही है। ये वही दुकानें हैं जो रिम्स के ठीक पास स्थित हैं और कुछ साल पहले ही खुले हैं। ऐसा लगता है कि रिम्स में जानबूझकर दवाओं की कमी की जा रही है ताकि मरीज इन निजी दुकानों की ओर रुख करें। रिम्स प्रबंधन और निजी दवा दुकानदारों के संगठित मेडिकल माफिया तंत्र को सरकार का भी संरक्षण प्राप्त है। जब सरकारी अस्पतालों में दवा ही नहीं होगी, तो आम आदमी कहां जाएगा? सरकार को मेडिकल माफियाओं पर लगाम कसनी होगी ताकि रिम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की साख बची रहे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी 'एक्स' पर पोस्ट)

सार्क जैसा न बनने पाए बिम्सटेक

पिछली सदी के अंतिम दशक में स्थापित वैश्विक आर्थिक व्यवस्था, जिसने व्यापार और बहुपक्षीय संगठनों के माध्यम से शांति और स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई थी, अब तेजी से बदल रही है। एक ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नए टैरिफ की घोषणा के चलते वैश्विक बाजारों में हलचल मची है तो दूसरी ओर अमेरिका को चुनौती देने के लिए तैयार चीन अपने आक्रामक रवैये से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए विभिन्न आर्थिक और सामरिक नीतियां अपना रहा है। ऐसे में बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल यानी बिम्सटेक देशों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे न केवल आर्थिक सहयोग को मजबूत करें, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा रणनीतियों पर भी ध्यान दें, क्योंकि नए भू-राजनीतिक एवं आर्थिक परिदृश्य में बंगाल की खाड़ी के क्षेत्र का इन सभी परिवर्तनों से प्रभावित होना तय है। तमाम बाहरी चुनौतियों के अलावा इस समय बिम्सटेक देशों में आंतरिक उथल-पुथल मची हुई है। म्यांमार और थाइलैंड में भूकंप ने जान-माल को भारी क्षति पहुंचाई तो बांग्लादेश राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा है। इन चुनौतियों के बीच बांग्लादेश भारत से बैर रखने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की हालिया चीन यात्रा के दौरान पूर्वोत्तर भारत को लेकर की गई अप्रिय टिप्पणी ने भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा दिया। इस तनाव का प्रभाव छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भी स्पष्ट दिखा। भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, थाइलैंड एवं म्यांमार बिम्सटेक के सदस्य हैं। जब दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन यानी सार्क भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते लगभग निष्क्रिय हो चुका है, तब सार्क के पांच सदस्य देशों का बिम्सटेक के मंच पर साथ आना नए अवसरों का संकेत है। हालांकि ऐसी भौगोलिक संरचना में जहां भारत केंद्र में हो और बांग्लादेश एवं नेपाल जैसे देश भारत विरोधी रवैया अपनाते रहे हों, क्या वहां बिम्सटेक वास्तव में क्षेत्रीय प्रगति, जुड़ाव और आर्थिक एकीकरण को गति दे सकता है। बिम्सटेक की उपयोगिता और भारत की प्रतिबद्धता को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि बंगाल की खाड़ी से जुड़े देशों को ऐतिहासिक मतभेद पीछे छोड़कर नई संभावनाओं की ओर बढ़ना होगा, क्योंकि यह क्षेत्र भू-राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है और यहां उपजा कोई संकट पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र को प्रभावित करेगा। इसलिए, बिम्सटेक देशों को क्षेत्रीय सहयोग और सामूहिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। चूंकि बिम्सटेक के कई देश आंतरिक रूप से भी विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, इसलिए क्षेत्रीय एकजुटता उनके लिए और अपरिहार्य हो जाती है। इन्हीं चुनौतियों के बीच थाइलैंड में आयोजित बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी की ओर से पेश 21 सूत्रीय कार्ययोजना को अपनाने पर सहमति बनी। इसमें प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, ऊर्जा और युवा कौशल विकास, संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सुरक्षा और अंतरिक्ष सहयोग, आपदा प्रबंधन, व्यापार, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को मजबूत करना शामिल है। यह कार्ययोजना सदस्य देशों के समक्ष वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस शिखर सम्मेलन का मुख्य आकर्षण बैंकाक विजन 2030 रहा, जो आर्थिक एकीकरण, संपर्क और मानव सुरक्षा को मजबूत करने पर केंद्रित है। इसके अलावा ह्यप्रो-बिम्सटेकह्न की पहल भी है, जो बिम्सटेक को समृद्ध, सशक्त और खुला क्षेत्र बनाने की रणनीति प्रस्तुत करती है। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय के तहत भारत में सतत समुद्री परिवहन केंद्र की स्थापना की घोषणा की गई। इस सबके बाद भी इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि इस समूह में विश्वास की कमी के चलते बिम्सटेक चार्टर को अपनाने में देरी हुई है। यह क्षेत्र आर्थिक रूप से सबसे कम जुड़ाव वाला रहा है। सदस्य देशों के बीच क्षेत्रीय व्यापार का महज छह प्रतिशत होना इसका एक प्रमाण है।

अमेरिका का पीछे हटना

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को वाशिंगटन में वैश्विक व्यापार के साथ जो किया, वह 1971 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन द्वारा स्थापित किए गए एक विघटनकारी मिसाल का प्रतिबिंब है। उस साल 15 अगस्त को निक्सन ने अमेरिकी डॉलर की सोने में परिवर्तनीयता के अस्थायी स्थगन का एलान करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। उस कदम ने ब्रेटन वुड्स ढांचे को कारगर ढंग से नष्ट कर दिया था। इस ढांचे को 1944 में निपट एकतरफा तरीके से तैयार किया गया था, जिसके चलते विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना हुई थी और वैश्विक मुद्रा स्थिरता, जो भुगतान संतुलन के संकट से निपटने और पूर्व औपनिवेशिक शक्तियों के पुनर्निर्माण प्रयासों को वित्तपोषित करने का एक रास्ता था, को एक सहारा प्रदान किया गया था। भले ही इस उपाय का एलान एक अस्थायी कदम के तौर पर किया गया था, लेकिन यह स्थायी बन गया और इसने वैश्विक वित्तीय प्रणाली को उलट दिया, क्योंकि विभिन्न राष्ट्र वित्तीय बाजार में अस्थिरता के एक नए युग की ओर अग्रसर हुए। ठीक इसी तरह, ट्रंप के पारस्परिक शुल्क (टैरिफ) लगाने के कदम ने तुरंत ही वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता की शुरूआत कर दी है, जिसका पूरा असर आने वाले महीनों और सालों में महसूस किया जाएगा। व्यापार संबंधों में एकतरफा बदलाव करके, उन्होंने परस्पर जुड़े वैश्विक वाणिज्य की उस प्रणाली को बाधित कर दिया है, जिसे अमेरिका ने युद्ध के बाद के युग में बनाने में मदद की थी। अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया सदमे और चिंता वाली रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका विनिर्मित सामानों का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है और 2023 में कुल वैश्विक आयात में इसकी हिस्सेदारी लगभग 13 फीसदी की थी। नए शुल्क आपूर्ति श्रृंखलाओं का मार्ग बदल देंगे और दुनिया के बाकी देशों को अपनी निर्यात संबंधी रणनीतियों में विविधता लाने के लिए मजबूर करेंगे। तात्कालिक अवधि में, अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए आयात की लागत बढ़ जाएगी, जिससे मांग कम हो जाएगी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Universe: Meaningful living and dying

Water always runs downhill. It is impossible that it will ever run uphill. Almost without our noticing it, our lives run out. Those of us who accept the value of spiritual practice may think about our future lives, but in our hearts we focus principally on the purposes of this life. This is how we become confused and entrapped in the cycle of existence. We waste our lives. Right from the time of our birth, we are approaching death. Yet, we spend our lives mainly amassing food, clothing, and friends. At the time of death, we have to leave all of this behind. We have to travel to the next world alone, unaccompanied.

The only thing that will benefit us is if we have undertaken some spiritual practice and have left some positive imprints within our minds.

If we are to stop wasting our lives and provoke ourselves to do spiritual practice, we have to meditate on impermanence and our own mortality — the fact that from the moment of our birth, our bodies are naturally impermanent and subject to disintegration.

Engaging in spiritual practices is not meant to just benefit this life, but to bring peace and happiness in the lives after death. One thing that hampers our practice is our tendency to think that we will live for a long time.

On the other hand, the person who is more concerned about his or her life after death is like a person who wants to travel. A traveller makes preparations to meet every eventuality and successfully reach his or her destination. As a result of death meditation, a practitioner becomes less obsessed with the affairs of this life — name and fame, possessions, social status.Awareness of death can be developed through both formal and analytical meditation. You must first understand the certainty of death intellectually. It is not some obscure theoretical issue, but an obvious and observable fact. Our world is believed to be some five billion years old, and the human race has been in existence for the past 1,00,000 years. Over such a long period of time, is there even one human being who did not have to face death? It makes no difference who you are; you have to die.

The advantage of developing an awareness of death is that it will help you make your life meaningful. You need next to think about how unpredictable it is. We all know death will come one day. The problem is that we always think it will be sometime in the future. Death does not follow any rule or order. Anyone can die at any time, whether they are old or young, rich or poor, sickly or well. We hold this human body dear, believing that it is strong and will last a long time. But reality defies our hopes.Your own body has been your most reliable, firmest companion since your very conception. You have done all you can to give it the best care. You have fed it so that it will not be hungry; you have given it drink when it was thirsty. You have rested when it was tired. You have been prepared to do anything and everything for the care, comfort, and protection of your body. In fairness, your body has also served you. It has always been ready to fulfil your needs.

But when death strikes, your body gives up. Your consciousness and your body separate.

Can't let vigilantes usurp the right to define dharma

Learned judges who routinely thunder from the bench most intriguingly follow a different logic while deciding cases

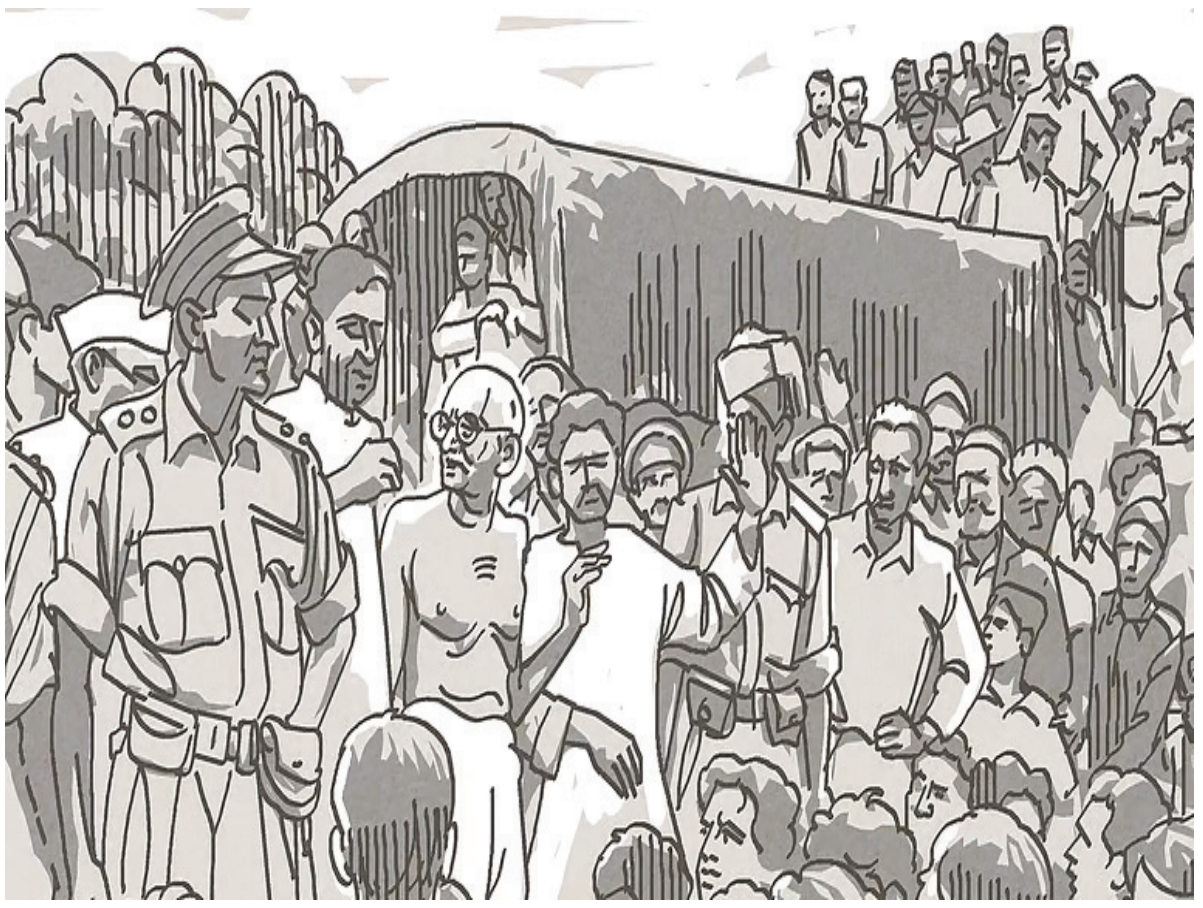

The fire that broke out in a High Court judge's residence in Delhi has reduced much more than bundles of currency notes to ashes. The embers will smoulder for a long time to come. Much has been said on the sorry state of the nation, and multiple failure of organs of state is glaring and it's impossible to turn the nose away from the gangrenous stench. Where does all this leave the people? We the people have long lived in the world of make belief that we have given ourselves the Constitution that has defined the nature of the state, enshrined in it the fundamental rights of the citizen and put in place a system of checks and balances—separation of powers between the Legislature, Executive and the Judiciary.

Many unfortunate and extremely disturbing decisions by coercive arms of the executive signal the breakdown of constitutional arrangements and erosion of rule of law. High-ranking police officers in uniform have suddenly been infected with the authoritarian bug. In several districts of Uttar Pradesh—the state that has become notorious for dispensing bulldozer justice—they have warned, nay, threatened those planning to offer namaz in public places with dire consequences like losing their passport, cancellation of driving licenses and arrest.

Now no one can deny that it's the duty of the police to maintain law and order, nip conspiracies in the bud and prevent violent communal flare-ups. However, the cops can't be the Jury, Judge and Executioner at the same time. An accused can only be punished after due process of law by the courts.Alas, the courts have repeatedly failed to protect the citizen from police atrocities. Much has been said about the process itself becoming punishment and there is no need to expatiate on that topic. If there are no effective judicial checks the rule of law can't survive. What on surface appears to be a democracy is a virtual police state. It is shocking that so many young officers who have taken oath to protect the Constitution seem to have weak knees and spines of rubber. But why blame only the ambitious young who have sensed which way the wind is blowing?

Learned judges who routinely thunder from the bench most intriguingly follow a different logic while deciding cases. The draconian laws of contempt of court keeps critics petrified. Where specific cases need to be highlighted as hypocrisy, bigotry and partisan conduct, the public discourse is directed to the Constitution, the state envisaged by our founding fathers and how we have strayed from the course.

Before we proceed further let's face some unpalatable facts. Members of the constituent assembly didn't represent the people of India. They were chosen to speak for the inarticulate, disenfranchised—ruled by the British—or were subjects of Indian princes. Nor did the wise men have the luxury of starting with a clean slate. Constitutional development in India was the result of reforms imposed from above by the colonial masters. Exigencies of war and the tumult unleashed by the Quit India Movement as the nationwide unrest triggered by the military campaign of the INA had upset all plans of mice and men. In brief there was no consensus regarding the path the newborn nation should follow. To look back with advantage of hindsight it's easy to wax eloquent about foresight of Dr Ambedkar and Pt Nehru. However, this would be glossing over major differences about the nature of the Indian state. Not everyone agreed on Secularism or Socialism.Much water has flown down the Ganga, Yamuna, Kaveri and Periyar. Neither India nor the world remain the same. Ever since 2014 the debate has rekindled about relics of colonialism and unfinished work of freedom struggle. One can't bury one's head in scorching sand hoping that the storm will pass without maiming us.

The state is an abstraction, one that manifests itself mostly in malignant incarnations to take away the life and liberty of its citizens. It is sovereign that recognises no superior and claims inviolability of territories under its control. The nation state is the creation of European imagination after the Treaty of Westphalia that has evolved with imperial-colonial experience and concepts of international law. However, states and nations have existed in the ancient non-European world for millennia.

'Rajya' and 'Rashtra' were recognised as distinct entities. 'Rajya' was state that could also be translated as a kingdom—domain of a sovereign ruler. Its territorial expanse encompassed many rashtras—sub nationalities. 'Rashtra' was what defined the ethnic, linguistic, and cultural identity.Sectarian or religious beliefs weren't of primary significance. The King personifying the state wasn't above law. This law was dharma—cosmic law—above any manmade laws, that sustained universal order. The people could overthrow a ruler who flouted the dictates of dharma. It is important to remember the entwined relationship between the state, the nation and the people.

Anti-drug drives

Punjab must go beyond political optics

Even as Punjab's Chief Minister Bhagwant Mann and Governor Gulab Chand Kataria lead parallel anti-drug campaigns, it is imperative that the efforts go beyond political rivalry and yield tangible results. Punjab, ranking second in the country for drug-related cases under the NDPS Act, continues to grapple with a crisis that has devastated families and endangered the future of its youth. While high-profile marches, public oaths and pledges can create awareness, they must be backed by strong enforcement and systemic change.

The numbers tell a concerning story. While the number of drug-related cases in Punjab has declined from 12,423 in 2022 to 9,025 in 2024, the state remains a major hub for drug smuggling. The government has adopted an aggressive stance, with the Punjab Police shifting focus to dismantling high-level drug networks and targeting kingpins. The real challenge lies in cracking down on the "big fish" who control the supply chain. Deaths due to drug overdose continue to be a stark reality in Punjab, with scores of young individuals succumbing to addiction each year. The absence of adequate deaddiction and rehabilitation services further exacerbates the problem, leaving many vulnerable to relapse or fatal overdose.

Without a multi-pronged strategy that includes medical intervention, community support and economic opportunities for those at risk, the state will struggle to turn the tide. The Mann government's youth engagement and the Governor's padyatra aim to mobilise public participation, but deeper interventions are needed. Schools and colleges must play a proactive role and, as the Chief Minister has suggested, teachers should be trained to identify early signs of addiction. For Punjab to truly rid itself of this scourge, political leaders must prioritise long-term structural reforms over momentary optics.

The Chatur-varna System of Punjab

Like Sikhs, Sufi traditions of Punjab also promoted egalitarian values

Punjab has a long history of egalitarian beliefs as it nurtured Sikh and Sufi thoughts. However, it also has a very high population of Scheduled Castes and Scheduled Tribes (30 per cent), while Brahmins constitute a fraction of the population. This issue of caste hierarchy has been highlighted in recent times, with young Dalit Punjabis being drawn to New Age Christian Evangelists. Their songs have gone viral across social media. In trying to make India secular, in trying to tip-toe around caste, other than for votes, academicians have long ignored the lens of caste that forms the foundation of India. We need to approach it dispassionately to understand how the past shapes the present.Punjab has mountainous areas to its north and rich alluvial plains to its south. It is in the mountainous regions that one finds many Hindu goddess temples, often patronised by kings. Here, Brahmins have historically been invited to serve as courtiers. However, as one moves towards the plains, the presence of trading communities, known as Khatris, increases. The Khatris claim to be Kshatriyas who renounced warfare and took up trade to avoid being slaughtered by Parashuram. It was among these trading communities that Sikhism emerged, with the first 10 Sikh Gurus all belonging to this group. The Bedis and the Sodhis trace their lineage back to Luv and Kush, sons of Ram and Sita, according to some traditions.

Defiance of Mughal authoritarianism, led to Punjab witnessing a resurgence of military traditions that had previously been abandoned by its farming, pastoral, and trading communities. Thus rose the Khalsa warriors under Guru Gobind Singh around 1700. Khalsa means directly under god, an idea that came from khalsa lands of the king, differentiated from jagirs of courtiers. These warriors differentiated themselves by adopting certain practices like never cutting their hair, using a wooden comb, carrying a special dagger, wearing a steel bracelet, special underwear with drawstrings, turban, and not eating food offered to gods or halal meat, a Muslim practice of involving bleeding of animals. They wore blue coloured garments (surmai), differentiating themselves from non-military members who wore yellow (basanti), and Hindus who preferred red.

During this time, pastoral warrior groups, known as Jats, were also drawn to Sikhism and took on the responsibility of defending the faith. To attract them, Sikh leaders began referring to many Hindu deities (saguna) despite Sikhism's commitment to a formless divine (nirguna). The sword was linked to Bhagavati, Hindu goddess of war. The Jats also considered themselves warriors who had, in keeping with a promise to Parashuram, turned their swords into ploughshares. Some Jats believed they were descendants of Shiva, emerging from his jata (locks).

Despite their military support, Jats were seen inferior by Brahmins, Rajputs and Khatris, as they practiced a form of widow remarriage (chadar chadhana) and refused to indulge in widow burning (Sati) valorised in royal and martial communities. The quest for respect led to widespread adoption of vegetarianism, especially under the influence of the Arya Samaj in the 19th century. This is one of the reasons why Sikh langars have become increasingly vegetarian, even though there was never such a rule originally as it violates the egalitarian principle. Vegetarianism has long been a code in India for caste. Upper castes would shun kitchens and canteens which served meat, eggs or fish.Like Sikhs, Sufi traditions of Punjab also promoted egalitarian values. The Sufis introduced new agricultural techniques in the 15th and 16th centuries, which contributed to a large number of farmers in eastern Punjab embracing Islam. Sikhism remained dominant in the western part of Punjab. Hinduism persisted in the south, towards Haryana, and in the north, towards Himachal.Thus, Punjab's chatur-varna system evolved quite differently from other parts of India. Brahmins played a minimal role. The royalty or Rajput influence was largely confined to the mountainous areas. The Kshatriya military influence remained subdued until resistance against Mughal rule necessitated its revival. Meanwhile, the trading community remained a strong pillar of Sikhism's origins, and the lines between Kshatriyas and Vaishyas were blurred.

Despite the egalitarian ideals of Sikhism and Sufism, the concept of caste and untouchability persists in Sikh and Hindu Punjabi communities of India as well as Muslim Punjabis of Pakistan. Caste (jaat) is clearly something that never goes (jati nahi).

42 Days Of Special Casual Leave For Central Government Employees Due To...

New Delhi. The central government is granting its employees a maximum of 42 days of special casual leave for organ donation, the Lok Sabha was informed on Wednesday. Irrespective of the type of surgery to remove an organ of the donor, the duration of special casual leave will be a maximum of 42 days.

"The government of India has provided a maximum of 42 days special casual leave to central government servants for donating their organ(s)," Union Minister of State for Personnel Jitendra Singh said in a written reply to a question in the Lok Sabha.According to an order issued by the Personnel Ministry in 2023, when the provision was announced, the duration of special casual leave will be a maximum of 42 days, regardless of the type of surgery performed to remove an organ of the donor, as recommended by a government-registered medical practitioner/doctor.The government of India has provided a maximum of 42 days special casual leave to central government servants for donating their organ(s)," Union Minister of State for Personnel Jitendra Singh said in a written reply to a question in the Lok Sabha.According to an order issued by the Personnel Ministry in 2023, when the provision was announced, the duration of special casual leave will be a maximum of 42 days, regardless of the type of surgery performed to remove an organ of the donor, as recommended by a government-registered medical practitioner/doctor.According to the order, special casual leave shall normally be taken in one stretch starting from the day of hospital admission. However, if there is a requirement, the leave can be availed starting a maximum of one week before the surgery on the recommendation of government government-registered medical practitioner or doctor, the order further stated.

US Tariffs: Piyush Goyal Likely To Meet Exporters This Week

New Delhi. Keeping the US reciprocal tariffs and its future impact on Indian businesses in mind, Union Commerce and Industry Minister, Piyush Goyal, is likely to meet exporters this week. According to industry sources, the meeting is likely to take place on Wednesday -- to be attended by ministry officials and representatives of the Federation of Indian Export Organisations (FIEO) and export promotion councils (EPCs), among other industry stakeholders.Exporters, especially MSMEs, are seeking some fiscal incentives to navigate the upcoming impact on their trade after the US administration announced 27 per cent reciprocal tariffs on the Indian products.The Commerce Ministry is also in active talks with Indian pharmaceutical exporters amid growing concerns over possible US tariffs on the sector, which was exempted in the first tranche of reciprocal tariffs by US President Donald Trump. While marginal tariffs may not cause much disruption, steep duties could hurt the profit margins of Indian drugmakers.

India exported $8 billion of pharma products to the US in fiscal 2024, its largest export destination, and supplies 40 per cent of generics consumed in the US.India's exports to the US are on a declining trend since FY23 with the share in total exports around 17-18 per cent. The top 15 items exported to the US accounted for 63 per cent of total exports, according to an SBI Research report. The impact on the Indian economy will be more from overall slowdown in global growth and heightened global financial volatility due to the worldwide hike in tariffs, it added.At the same time, the tariffs levied on India are the lowest among its Asian peers, compared to 34 per cent on China, 36 per cent on Thailand, 32 per cent on Indonesia, and 46 per cent on Vietnam.

Stock Market Crash: Sensex Tanks 5%; investors poorer by Rs 20.16 lakh crore

New Delhi. Investors' wealth eroded sharply by Rs 20.16 lakh crore on Monday morning as the benchmark indices faced heavy drubbing, with the Sensex dropping over 5 per cent, amid a global market meltdown due to growing trade war concerns. The 30-share BSE benchmark tumbled 3,939.68 points or 5.22 per cent to 71,425.01 in early trade.

Mirroring the bearish trend in equities, the market capitalisation of BSE-listed firms declined sharply by Rs 20,16,293.53 crore to Rs 3,83,18,592.93 crore (USD 4.50 trillion) during the morning trade.

All the Sensex firms were trading lower. Tata Steel and Tata Motors dropped over 10 per cent each. Larsen & Toubro, HCL Technologies, Adani Ports, Tech Mahindra, Infosys, Tata Consultancy Services, Reliance Industries and Mahindra & Mahindra were the other big laggards.In Asian markets, Hong Kong's Hang Seng index tanked more than 11 per cent, Tokyo's Nikkei 225 plunged 7 per cent, Shanghai SSE Composite index dropped nearly 7 per cent and South Korea's Kospi sank over 5 per cent.

US markets ended significantly lower on Friday. The S&P 500 tanked 5.97 per cent, Nasdaq composite slumped 5.82 per cent, and the Dow tumbled 5.50 per cent on Friday."Globally markets are going through heightened volatility caused by extreme uncertainty. No one has a clue about how this turbulence caused by Trump's tariffs will evolve.

Wait and watch would be the best strategy in this turbulent phase of the market," V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said.Global oil benchmark Brent crude dropped 2.76 per cent to USD 63.77 a barrel.The BSE smallcap gauge cracked 6.62 per cent, and the midcap index tanked 5.01 per cent.

All the BSE sectoral indices were trading in negative territory. Metal tumbled nearly 8 per cent, industrials dropped 6.39 per cent, commodities (6.14 per cent), IT (5.71 per cent), BSE Focused IT (5.57 per cent), consumer discretionary (5.42 per cent) and teck (4.84 per cent).

What to make of the Global Trade War

The United States, China and Germany largely dominate the $35 trillion worth of global trade at risk.

New Delhi. If anxiety about the future of the world economy is trumping (literally!) other thoughts, you are probably not alone. In a world economy worth $123 trillion, global trade accounts for nearly a third of the value. Those $35 plus trillion dollars are at risk. The prime minister of Singapore, Lawrence Wong, warned that global trade wars lead to global conflicts. His fears probably should be those of everyone who is not imposing that trade war.

The big picture

The United States, China and Germany largely dominate the $35 trillion worth of global trade at risk. China is the biggest exporter of manufacturing goods and one of the biggest importers of services. However, it has the highest trade surplus in the world (higher overall exports over imports). On the other hand, America has the highest trade deficit in the world (higher imports over exports). That means, over the past few years, Americans have been the world's biggest consumers, and the Chinese have been the world's most prominent manufacturers and exporters. President Trump's new tariff regime will disrupt the existing global trade system. The new system seeks to cut down on US imports and suddenly expand the scope of US exports of goods and services. For that to happen, global companies must set up factories and offices in the US.

Fullscreen

However, under free trade practices, goods and services are manufactured in places where they can be produced at the cheapest. That reduces the cost for consumers. Since the Second World War, American consumers have benefited immensely as goods and services moved freely. The size of the US economy has only grown more significant than ever. The US dollar is the world's reserve currency, and American government-issued treasury bonds are the safest assets in the world. The readjustment in global trade will likely shake the existing trade and finance structure.

India will be affected

While India accounts for barely 4% of the global trade, the intensity of India's engagement with the world is more significant than in previous decades. India will not remain insulated from a broken global trade system. A slow growth in America will further trigger a slowdown in countries that depended heavily on US exports. While India is a middle-income country, it has problems like a rich country. It has a trade deficit due to imports of commodities like oil and gold for domestic consumption. India needs exports to grow, maintain economic growth momentum, and balance trade.However, if global demand slows and exports slump, India's economy will slow down. Share prices of export-oriented companies like software services, leather, footwear, jewellery, diamonds, and many other sectors plummeted over the past four weeks in anticipation of the new US tariff regime. India's relative advantage is primarily due to a large domestic market. Financial services, consumer goods and technology continue to drive consumption-led growth. There is a chance that other countries with excess capacity may start to flood Indian markets with cheaper goods. It is a risk that the Indian government will have to monitor closely. Keep an eye on the bilateral trade deals India negotiates with countries like the US, UK, Europe and others.

Your money

The next few months would be about adopting a risk-averse investment strategy.

IL&FS group resolves 45,281 cr debt to its lenders as of March 2025

NEW DELHI. The debt-ridden IL&FS group has discharged Rs 45,281 crore to its creditors as of March 2025, completing the resolution of its 197 entities, according to the latest status report affidavit filed before the insolvency appellate tribunal NCLAT.

This is 18.9 per cent higher than Rs 38,082 crore, the amount of debt that stood resolved from the last status report filed by IL&FS six months before on October 28, 2024.

"As of March 21, 2025, a debt of Rs 45,281 crore has been resolved, out of the debt resolution target of Rs 61,000 crore, as a result of the resolution of 197 entities out of 302 entities having been concluded," said IL&FS.Now, only 105 entities remain to be resolved, out of which moratorium protection is now only required to be continued for 57 entities."Basis current estimates, the new board expects the overall recovery to be approximately Rs 61,000 crores, which is 61 per cent of the overall debt as of October 2018," said the latest IL&FS affidavit.As per the recovery process, IL&FS' new board has been engaged in the termination of the non-fund-based limits availed by its group entities. IL&FS group is releasing and cancelling bank guarantees or letters of credit issued by them. Besides, it is also paying cash through interim distribution to domestic entities.

Out of Rs 45,281 crore, IL&FS has discharged Rs 21,581 crore through monetisation, termination and transfer of assets to InviT and Rs 9,026 from "auto debits, green entity principal servicing, NFB release".

The rest Rs 14,674 crore was discharged through "interim distribution" which includes cash and InviT units.

In November last year, NCLT had directed the IL&FS group to complete the resolution of the remaining 58 firms by March 31, 2025 and extended the moratorium until the date.

The NCLAT had extended the moratorium after observing that the process for the remaining 58 entities is at an advanced stage and "considerable progress has been made by IL&FS (Infrastructure Leasing and Financial Services), which is paring debts through asset resolution and other mechanisms.Before that NCLAT had on August 28, 2024 questioned the continuation of the moratorium for the IL&FS entities, observing that "the protection under order dated October 15, 2018, cannot be allowed to continue for all time to come".

Hiked tariffs trump India's exports to US; USD 5.76 billion decline expected this year: GTRI

NEW DELHI. India's merchandise exports to the US from sectors such as marine items, gold, electrical, and electronics are expected to decline by USD 5.76 billion this year due to increased American duties, according to the data analysis of think tank GTRI.However, it added that India's competitive position in select product segments may help cushion some of the losses. Sectors which can witness modest gains include textiles made-up, apparel, ceramic products, inorganic chemicals, and pharmaceuticals.The US has announced an additional 26 per cent duty on Indian goods barring pharma, semiconductors and certain energy goods from April 9. The 10 per cent baseline tariffs are there from April 5-8.

"Using detailed trade data and tariff schedules, the analysis estimates that India could see a decline of USD 5.76 billion, or 6.41 per cent, in exports to the US in 2025," Global Trade Research Initiative (GTRI) said.In 2024, India exported USD 89.81 billion worth of goods to the US. It said that several key product groups are likely to see reductions. Exports of fish and crustaceans may fall by 20.2 per cent; iron or steel articles by 18 per cent; diamonds, gold products by 15.3 per cent; vehicle and parts exports by 12.1 per cent; and electrical, telecom, and electronic products may decline by 12 per cent.Other categories such as plastics, carpets, petroleum products, organic chemicals, and machinery are also expected to be negatively impacted, it added.The study has evaluated sector-specific exposure, changes in tariff rates, and competitive dynamics involving key players like China, Mexico, and Canada.

According to the Delhi-based think tank, energy products, including petroleum, solar panels, and pharmaceuticals as well as copper, have been exempted from country-specific tariffs.

These high-value items accounted for USD 20.4 billion or 22.7 per cent of India's exports to the US in 2024. They will continue to face only the standard MFN (Most Favoured Nation) tariff.Key industrial goods such as steel, aluminum, automobiles, and auto parts will face a 25 per cent tariff. These represent USD 2.2 billion, or 2.5 per cent of India's total exports to America, with no change to their MFN status."However, the largest impact falls on the remaining basket of goods. These exports valued at USD 67.2 billion or 74.8 per cent of total trade. They will now be hit with a 26 per cent tariff. While MFN tariffs still apply, this sweeping hike is expected to reshape trade dynamics across a wide range of industries," GTRI Founder Ajay Srivastava said.Explaining in detail, he said India's exports of electronics and smartphones to the United States reached USD 14.4 billion in 2024, accounting for a significant 35.8 per cent of its global shipments in this category.

Payments firm Juspay raises $60 mn days after open-sourcing routing layer

New Delhi. Payments infrastructure firm Juspay has secured $60 million as part of its Series D funding round through a combination of primary and secondary investments. The latest round was led by Kedaara Capital, with participation from existing investors including SoftBank and Accel. Avendus Capital acted as the exclusive financial advisor to Juspay for the transaction. The Bengaluru-based company, which operates as a technology service provider (TSP), plans to strengthen its artificial intelligence capabilities. It has expanded its footprint across Asia-Pacific, Latin America, Europe, the United Kingdom, and North America.

"Today, as we expand our global footprint and push the boundaries of AI, we remain committed to building truly open-source and interoperable payment systems that embrace the growing diversity in the payments landscape," said Sheetal Lalwani, co-founder and chief operating officer, Juspay.The company had raised $60 million in its Series C round in 2021 and $21.6 million in its Series B round in 2020, according to data from market intelligence platform Tracxn.Juspay was reportedly in talks to raise $150 million in Series D earlier this year.

The fundraise comes days after the company open-sourced its payments orchestration platform. This followed moves by major payment aggregators, including PhonePe, Razorpay, Cashfree Payments, and Paytm, to ask their merchant partners to discontinue use of third-party routers such as Juspay. The push by payment aggregators reflects an industry-wide trend of companies seeking exclusive and deeper relationships with merchants in a market characterised by thin margins. Operational issues with Juspay's orchestration layer had strained relationships between aggregators and their clients, prompting aggregators to urge merchants to avoid third-party routing altogether, Business Standard reported last week. Juspay was authorised to operate as an online payment aggregator by the Reserve Bank of India in 2024, raising concerns that its routing software might favour its own offering.

India's worst stock market crashes: From Covid-19 to Trump tariffs

On Monday, April 7, the Indian stock market faced one of its biggest falls since June 2024. The Sensex fell nearly 4,000 points, while the Nifty 50 slipped below 21,750, dragging down investor confidence.

New Delhi. Stock markets witness fluctuations occasionally, but some days are far worse than others. On Monday, April 7, the Indian stock market faced one of its biggest falls since June 2024. The Sensex fell nearly 4,000 points, while the Nifty 50 slipped below 21,750, dragging down investor confidence.The fall was triggered by fears of a recession in the US, sparked by a global trade war due to reciprocal tariffs by US President Donald Trump. The market capitalisation of BSE-listed companies dropped by nearly Rs 16 lakh crore within minutes. The India VIX, the Volatility Index, shot up by over 56%.That said, let's have a quick look at five such single-day market crashes in India that had a lasting impact.

HARSHAD MEHTA SCAM CRASH-1992Harshad Mehta Scam was India's first major stock market shock. Harshad Mehta, a stockbroker, exploited the loopholes in the banking system to rig stock prices. The scam, which was over Rs 4,000 crore, was exposed in April 1992.On April 28, 1992, the Sensex plummeted 570 points, or 12.7%, in a single day. It was the worst fall at the time. This led to big changes in how markets were regulated, and SEBI's powers were strengthened to prevent such frauds.

KETAN PAREKH SCAM CRASH-2001

A few years later, another market manipulation scandal hit the Indian markets. This time it was Ketan Parekh, a broker, who was involved in pumping up prices of selected stocks. When the scam broke out in March 2001, investors panicked.On March 2, 2001, the Sensex dropped 176 points, or 4.13%. The fall came soon after the dot-com crash, and was worsened by the recent Gujarat earthquake and weak global signals.

ELECTION RESULTS CRASH-2004

In May 2004, unexpected election results shook the markets. The UPA, led by the Congress party, defeated the NDA, which had been advocating aggressive economic reforms.On May 17, 2004, the Sensex plummeted 11.1% in a single day. Trading was suspended twice as panic-selling gripped markets. Eventually, the markets stabilised later when the new government assured investors that reforms would be continued.

GLOBAL FINANCIAL CRISIS CRASH-2008

The 2008 global financial crisis, caused by the collapse of Lehman Brothers in the US, sent shockwaves around the world. India was also affected as foreign investors began pulling out money.

On January 21, 2008, the Sensex fell 1,408 points, or 7.4%. Over the next few months, it kept falling, losing nearly 60% from its peak. It was one of the worst bear markets India has seen.

COVID-19 PANDEMIC CRASH-2020

The COVID-19 outbreak in early 2020 led to a health crisis, but it also caused economic panic. As India announced a nationwide lockdown, fears of a total halt in economic activity caused a market meltdown.On March 23, 2020, the Sensex fell 3,935 points, or 13.2%. However, the markets recovered quickly after the government and RBI stepped in with support measures.

'Tarrifying': Congress ups ante on PM Modi as Trump tariffs jolt Indian markets

Comparing PM Modi to his US counterpart, Congress said that both leaders are experts in delivering 'self-inflicted wounds' to their countries as a result of which the markets are responding in a 'tariffying' manner.

New Delhi. The Congress on Monday intensified its attack on Prime Minister Narendra Modi as stock markets in India crashed following US President Donald Trump's tariff announcements last week.

Comparing PM Modi to his US counterpart, Congress said that both leaders are experts in delivering "self-inflicted wounds" to their countries as a result of which the markets are responding in a "tariffying" manner.

"It is no wonder that Mr. Modi and Mr. Trump describe themselves as good friends. Both are experts in giving their economies self-inflicted wounds," Congress MP Jairam Ramesh said on his official X handle on Monday, soon after both Sensex and NSE Nifty sank by nearly 4,000 points and 1,200 points respectively.

The crash wiped out nearly Rs 19 lakh crore within a few minutes of the market opening as Sensex plunged to a 10-month low.

"Nov 8, 2016 was demonetisation. April 2, 2025 was the bizarre reciprocal tariffs. Markets are reacting predictably in a tariffying manner," Ramesh added.

Last week, Leader of Opposition in Lok Sabha, Rahul Gandhi, speaking on the floor during the Zero Hour, warned the Narendra Modi government that tariffs would "completely devastate" the Indian industry.

Demanding answers from the government on how they intend to protect the domestic economy amid Trump's tariff announcements, Rahul Gandhi said, "Somebody once asked Indira Gandhi ji - 'In the matter of foreign policy you lean left or you lean right,' and Indira Gandhi ji answered, 'I don't lean left or right, I stand straight.'

Putting the spotlight on the PM Modi-Trump bonhomie, Congress President Mallikarjun Kharge said in the Rajya Sabha last week, "America is a businessman and our customer got trapped."

Congress MP Manish Tewari followed suit, calling the additional tariffs a "complete failure" of the Modi government in negotiating with the Trump administration.

Comic Kunal Kamra's interim protection from arrest extended in Shinde jibe row

New Delhi. The Madras High Court on Monday extended comedian Kunal Kamra's interim protection from arrest, which was set to end today, until April 27, in connection with an FIR lodged in Mumbai over his 'traitor' jibe at Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shinde.

Earlier, Kamra's counsel submitted before the Madras High Court that the hostility towards the comedian had increased since the last hearing, when the judge had granted him interim transit protection on March 28.

Kamra's lawyer informed the court that three new FIRs have already been lodged against him in Maharashtra since the last hearing. He further submitted that the officials even visited his ancestral home in Mumbai, disturbing his aged parents.

Woman dies onboard, Mumbai-Varanasi IndiGo flight makes emergency landing

New Delhi. An IndiGo Airlines flight made an emergency landing at the airport in Maharashtra's Chhatrapati Sambhajinagar after an 89-year-old woman died onboard, an airport official said on Monday. The Mumbai-Varanasi flight made an emergency landing at the Chikalthana Airport on Sunday night, he said.

The official said Sushila Devi, a native of Mirzapur in Uttar Pradesh, boarded the flight from Mumbai and started feeling unwell mid-air.

He said the flight landed at the Chikalthana Airport due to a medical emergency around 10 pm. A medical team examined the woman on landing, but she had already succumbed. The MIDC CIDCO police station did the necessary formalities, and the flight proceeded for its onward journey to Varanasi, the official said.

According to the airline, the woman's body was sent to the Government Medical College and Hospital in Chhatrapati Sambhjinagar.

West Bengal woman lured with job promise, rescued from GB Road brothel by Delhi Police

NEW DELHI. A 35-year-old woman from West Bengal was rescued by the Delhi Police Crime Branch from the GB Road red-light area after allegedly being duped with a job promise and forced into prostitution, police said on Sunday.

Preliminary investigations revealed she is the youngest of six siblings and studied till Class 5. Following a divorce, she worked as a domestic help to support herself and her financially distressed family in rural Bengal. "In January 2025, she was allegedly lured to Delhi by another woman with the promise of a job but was instead sold into the sex trade. Her phone was taken, cutting off contact with her family," said DCP (Crime) Vikram Singh

"Around 10 days ago, she managed to call her brother and share her ordeal. He reached out to the NHRC Delhi-based NGO Mission Mukti Foundation," he added. Acting on NHRC's directions, the crime branch conducted a raid on April 5 and rescued the woman. "The brothel manager, too, was arrested," the DCP said. Police said further investigation is underway.

Heatwaves to sweep North India for 5 days

NEW DELHI. Heatwaves have moved into Northern India following a week of extreme temperatures in Gujarat, Central India and Odisha. The India Meteorological Department (IMD) has issued red and orange warnings for affected regions. According to the IMD, heatwave conditions are expected in Gujarat, Rajasthan, Haryana, Chandigarh, Delhi, and Punjab over the next four to five days. Many areas in Northwest India, Maharashtra, and South Peninsular India are expected to see maximum temperatures rise by 2 to 4°C.

The IMD has reported maximum temperatures of 40-43°C in various parts of Gujarat, North Punjab, North Haryana, Chandigarh, J&K, Ladakh, Himachal Pradesh, West Uttarakhand, North Bihar, Sub-Himalayan West Bengal, Sikkim and West Assam.

In addition, the maximum temperatures have risen by 3 to 6°C over north interior Odisha, adjoining Jharkhand, and Gangetic West Bengal.

On April 4, Kandla in Saurashtra and Kutch recorded the highest maximum temperature of 44°C. The MeT office also forecasts heatwave conditions in isolated areas of Himachal Pradesh on April 6 and 7, in Haryana and Chandigarh from April 6 to 10, in Punjab from April 7 to 10, in Delhi on April 7 and 8, in West Uttar Pradesh from April 7 to 9, and in Madhya Pradesh from April 8 to 10. The department previously indicated that the region would experience a higher number of heatwave days this month. Additionally, hot and humid weather is likely to persist in coastal Gujarat and the Konkan & Goa region from April 6 to 9.

It takes lifetime to build reputation: Delhi court slams woman for false rape allegation

NEW DELHI. A Delhi court has ordered the filing of a perjury complaint against a woman who falsely accused a man of rape, stating that her fabricated claims had unjustly subjected the accused to a traumatic legal ordeal.

"It takes a lifetime to build a reputation but only a few lies to destroy the same," the court stated. The ruling came from Additional Sessions Judge (ASJ) Anuj Agarwal at Tis Hazari Court, who acquitted the accused man after concluding that the prosecutrix had concocted a false story of sexual assault and threats.

The judge declared that the testimony given by the woman lacked credibility, rendering it unreliable for conviction.

The woman, a resident of Ujjain, had claimed that in November 2019 she was invited to Delhi by the accused on the pretext of sightseeing and was subsequently raped in a hotel located in the Nabi Kareem area. However, upon a thorough examination of the evidence, the court found significant inconsistencies in her account.

In the judgement dated April 4, ASJ Agarwal said, "While it is trite law that a prosecutrix's testimony, if trustworthy and credible, requires no independent corroboration, the facts of the present case clearly demonstrate otherwise."

The judge noted that the woman's deposition in court was not only false but carefully crafted to deceive.

"There may be instances where even the accused becomes the real sufferer, standing before the court with folded hands, seeking justice for them," ASJ Agarwal said.

Emphasising the psychological toll suffered by the accused, the court said, "An acquittal could not recompense the agony of the accused who underwent the trauma of a trial."

Pwd rolls out high-tech sewer cleaning machines to replace manual scavenging in Delhi

NEW DELHI. Ahead of the monsoon season, the Public Works Department (PWD) has announced that the government is set to deploy advanced sewer cleaning machines across the city to address chronic waterlogging issues. Speaking during a field inspection on Sunday, PWD Minister Parvesh Verma said that CCTV cameras would be used to verify the complete desilting of drains.

Alleging long-standing neglect, Verma claimed that many of the city's drains and nullahs have not been cleaned in over a decade. "Our effort now is to have state-of-the-art machines in every assembly constituency to ensure thorough cleaning," the minister said.

During his visit to South Delhi's Greater Kailash area, the minister observed a trial run of a high-tech recycler machine imported from Mumbai. "This initiative is a concrete step towards realising Prime Minister Narendra Modi's vision of Swachh Bharat and modern urban infrastructure," he added.

According to officials, the recycler machine can conduct deep and effective sewer cleaning without requiring manual entry, addressing both efficiency and safety concerns.

One of its standout features is the ability to extract silt and contaminated water simultaneously. The extracted water is then treated within the machine itself and reused for jetting operations, significantly reducing the amount of fresh water required. Officials highlighted the machine's compact, single-unit design, which eliminates the need for separate water tankers and allows for faster and more environmentally friendly operations.

"Being a single-unit setup, it requires minimal operational space. The entire cleaning process becomes faster, more precise, and environmentally friendly," an official noted.

Delhi government plans micro-level interventions to curb air pollution

NEW DELHI. In a bid to curb air pollution in the city, the government is preparing to implement targeted, micro-level interventions, with a focus on dust control at construction sites, mechanised cleaning of narrow lanes and regular tree cleaning.

The plans were discussed at a high-level meeting chaired by Environment Minister Manjinder Singh Sirsa with representatives from leading institutions such as IIT-Delhi, The Energy and Resources Institute (TERI), and Clean Air Collective at the Delhi Secretariat, according to a statement issued on Saturday.

During the meeting, experts emphasised the importance of sustainable urban mobility and urged the government to adopt data-driven strategies to address the city's worsening air quality. A major proposal was the rapid promotion of electric vehicles (Evs), especially in public transport, and phasing out older, polluting vehicles. They recommended that new vehicle registrations prioritise EVs and that stringent action be taken against non-compliant vehicles that contribute disproportionately to pollution.

Another key suggestion was expanding the Delhi Metro network to ensure that every citizen has access to a metro station within 400 metres of their residence. Officials noted that this would enhance public transportation and significantly reduce reliance on private vehicles, helping cut down emissions.

The experts highlighted that construction dust alone contributes nearly 30% of Delhi's particulate pollution. The Delhi Pollution Control Committee (DPCC) is already working to address this via a dedicated portal, the minister said.

Sirsa stated that several of the recommendations were already part of the government's upcoming plans and that their implementation would begin soon. "We are fighting a war against pollution to ensure clean air for our children. This is not just an environmental issue, it is a moral responsibility. Many of the suggestions shared today are already part of our action plan, and we will actively consider the others," he further said.

Delhi Metro to launch India's first three-coach train line by 2028

As part of Phase IV of the project, the corridor will span 8 km and be the second-smallest in the network, the DMRC said in a statement.

NEW DELHI. The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) is set to introduce the country's first metro corridor designed for operation with three-coach trains on the Lajpat Nagar Saket G Block route, officials said on Sunday.

As part of Phase IV of the project, the corridor will span 8 km and be the second-smallest in the network, the DMRC said in a statement.

Unlike most metro lines that use 4, 6, or 8-coach trains, the 3-coach system has been developed specifically for short-distance urban travel. The smaller train configuration will provide a cost-effective solution, ensuring better frequency and operational efficiency while accommodating substantial number of commuters.

In addition to reducing train length, the corridor will optimise urban mobility with a future-ready, efficient, and cost-conscious metro system.

The Lajpat Nagar–Saket G Block corridor is being developed with assessment of passenger flow in mind. While high-density corridors require longer rakes to handle massive crowds, this stretch caters to a different category of commuters—short-distance travellers requiring frequent and efficient metro services.

The corridor's Peak Hour Peak Direction Traffic (PHPDT) estimates indicate a manageable load, ensuring a comfortable travel experience without unnecessary overcapacity.

It said the three-coach system is aimed at ensuring economic sustainability while maintaining high-quality urban transit standards.

It added that each coach will have a seating and standing capacity of around 300 passengers, bringing the total capacity of a three-coach train to approximately 900 passengers per trip.

The statement said the corridor will have eight strategically located stations from Lajpat Nagar to Saket G Block to improve accessibility for key residential and commercial areas.

NEWS BOX

Five family members killed in deadly car crash in coastal Georgia

UPDATED. A deadly car accident occurred in coastal Georgia on Sunday morning in which five family members lost their lives, news agency Associated Press reported citing state authorities.The collision occurred on I-95 in McIntosh County around 6 am, when one vehicle collided with another traveling southbound. The crash led to one of the vehicles bursting into flames.The victims in the burned vehicle were identified as 27-year-old Reagan Dougan and her four children, aged 9, 4, 2, and 3 months. Reagan had been driving a rental car from Raleigh, North Carolina, on her way to meet her husband in Florida.Her husband has been notified of the devastating accident. The passenger in the other vehicle involved in the crash was taken to the hospital for treatment.In a separate incident, a single-car crash in Middleborough early Sunday morning resulted in the death of an 18-year-old and left a passenger seriously injured. Emergency services were called to Marion Road at approximately 2:37 am after reports of a vehicle collision.Upon arrival, responders discovered the car had crashed into a tree. Bystanders managed to rescue the passenger from the wreckage before first responders could reach the scene. The injured passenger, who sustained severe injuries, was quickly transported to a local hospital for treatment.

China accuses US of unilateralism, protectionism, economic bullying with tariffs

BANGKOK. China on Monday accused the US of unilateralism, protectionism and economic bullying with tariffs, while calling on representatives of American companies including Tesla, to 'take concrete actions' to resolve the tariffs.Putting 'America First' over international rules harms the stability of global production and the supply chain that can seriously impacts the world's economic recovery, Foreign Affairs spokesperson Lin Jian told reporters.

Last week, Trump put an additional 34% tariff on Chinese goods as part of 'Liberation Day,' coming on top of two rounds of 10% tariffs already declared in February and March, which Trump said was due to Beijing's role in the fentanyl crisis.China and other governments retaliated quickly.

China announced its own 34% tariff rate on US goods, mirroring Trump's tariff rate for China.

On Monday, Beijing struck a note of confidence even as markets in Hong Kong and Shanghai tumbled.

The People's Daily, the Communist Party's official mouthpiece, had quoted strongly against US, ?The sky won't fall, it declared, even if the US tariffs have an impact. Faced with the indiscriminate punches of US taxes, we know what we are doing and we have tools at our disposal," it added.Beijing had announced a slew of countermeasures Friday evening aimed at Trump's tariffs.As part of these measures, China suspended sorghum, poultry and bonemeal imports from some American companies, and put more export controls on rare earth minerals, critical for various technologies, while launching a lawsuit at the World Trade Organization.It is unknown if China's leader, Xi Jinping, will meet with Trump to make a deal on the tariffs.

Houthis claim US airstrikes killed 6 in Sanaa as Trump's video suggests higher toll

world. Suspected US airstrikes killed at least six people Sunday in Yemen's rebel-held capital Sanaa, the Houthi-run health ministry said, while a bombing video posted by US President Donald Trump suggested casualties in the overall campaign may be higher than the rebels acknowledge.

The strikes in Sanaa hit a home and injured 16 other people, the ministry said.Earlier on Sunday, the Iranian-backed Houthis said suspected US airstrikes killed at least two people overnight in a rebel stronghold Saada and wounded nine others.Footage aired by the Houthis' al-Masirah satellite news channel showed a strike collapsing what appeared to be a two-story building. The rebels aired no footage from inside the building, which they described as a solar power shop.The intense campaign of US airstrikes targeting the rebels over their attacks on shipping in Mideast waters — related to the Israel-Hamas war — has killed at least 69 people, according to casualty figures released by the Houthis.The Houthis have not acknowledged any casualties among their security and military leadership — something challenged after an online video posted by Trump.Trump bombing footage suggests rebel leaders targeted

Early on Saturday, Trump posted what appeared to be black-and-white video from a drone showing over 70 people gathered in a circle. An explosion detonates during the 25-second video. A massive crater is left in its wake."These Houthis gathered for instructions on an attack," Trump claimed, without offering a location or any other details about the strike. "Oops, there will be no attack by these Houthis! They will never sink our ships again!"The US military's Central Command, which oversees Mideast military operations, has not published the video nor offered specific details about the strikes it has conducted since March 15. The White House has said over 200 strikes have targeted the Houthis.The rebel-controlled SABA news agency in Yemen, citing an anonymous source, described the bombing as targeting "a social Eid visit in Hodeida governorate." Muslims around the world just celebrated Eid al-Fitr at the end of the holy Muslim fasting month of Ramadan. SABA had published images of other commanders meeting fighters during the holiday, though not any high-level Houthi officials.

Israeli strikes on Gaza kill 32, mostly women and children

Dozens of Palestinians took to the streets in Jabaliya for new anti-war protests.

DEIR AL-BALAH. Israeli strikes in the Gaza Strip killed at least 32 people, including over a dozen women and children, local health officials said Sunday, as Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu headed to the United States to meet with President Donald Trump about the war.

Israel last month ended its ceasefire with Hamas and has seized territory to pressure the militant group to accept a new deal for a truce and release of remaining hostages. It has blocked the import of food, fuel and other supplies for over a month to the coastal territory heavily reliant on outside assistance.Israel's military late Sunday ordered Palestinians to evacuate several neighborhoods in central Gaza's Deir al-Balah shortly after about 10 projectiles were fired from Gaza — the largest barrage from the territory since Israel resumed the war.The military said about five were intercepted. Hamas' military arm claimed responsibility. Police said a rocket fell in Ashkelon city and fragments fell in several other areas. The Magen David Adom emergency service said one man was lightly injured. The military later said it struck a rocket launcher in Gaza.

Israeli strikes overnight into Sunday hit a tent and a house in the southern city of Khan Younis, killing five men, five women and five children, according to Nasser Hospital, which received the bodies.The body of a toddler took up one end of an emergency stretcher.A female journalist was amng the dead. "My daughter is innocent. She had no involvement, she loved journalism and adored it," said her mother, Amal Kaskeen.Trump wants to end the Gaza

issue. He is in a hurry, and that is clear from this morning," said Mohammad Abdel-Hadi, cousin of a woman killed.

Israeli shelling killed at least four people in the Jabaliya refugee camp in northern Gaza, according to Gaza's Health Ministry. The bodies of seven people, including a child and three women, arrived at Al-Aqsa Martyrs Hospital in Deir al-Balah, according to an Associated Press journalist there.And a strike in Gaza City hit people waiting outside a bakery and killed at least six, including three children, according to the civil defense, which operates under the Hamas-run government.

Netanyahu visits Trump amid anti-war protests

Dozens of Palestinians took to the streets in Jabaliya for new anti-war protests. Footage on social media showed people marching and chanting against Hamas. Such protests, while rare, have occurred in recent weeks.

There is also anger inside Israel over the war's resumption and its effects on remaining hostages in Gaza. Families of hostages along with some of those recently freed from Gaza and their supporters have urged Trump to help ensure the fighting ends.Netanyahu on Monday will meet with Trump for the second time since Trump began his latest term in January. The prime minister said they would discuss the war and the new 17% tariff imposed on Israel, part of a sweeping global decision by the U.S.

Deadly floods ravage US South and Midwest as death toll climbs to 18

world. Rivers rose and flooding worsened Sunday across the sodden U.S. South and Midwest, threatening communities already badly damaged by days of heavy rain and wind that killed at least 18 people.Even as the rain moved out of some of the hardest hit areas in Arkansas, Tennessee and Kentucky, water levels crept up in some communities, swirling into homes and businesses and submerging roads.In Frankfort, Kentucky, rescue crews checking up on residents in the state capital traversed inundated streets in inflatable boats. Workers erected sandbag ramparts to protect homes and businesses and turned off utilities as the swollen Kentucky River kept rising."As long as I've been alive — and I'm 52 — this is the worst I've ever seen it," said Wendy Quire, the general manager at the Brown Barrel restaurant in downtown Frankfort.The river's depth had risen above 47 feet Sunday and was expected to crest above 49 feet Monday morning to a potentially record-setting level, according to Frankfort Mayor Layne Wilkerson. The city's flood wall system is designed to withstand 51 feet of water.

Forecasters said that flooding could persist as torrential rains lingered over several states. Tornado watches were in effect through much of the day Sunday in parts of Alabama, Georgia and Florida.For many, there was a sense of dread."This flooding is an act of God," said Kevin Gordon, a front desk clerk at the Ashbrook Hotel in downtown Frankfort. The hotel was open Sunday and offering discounted stays to affected locals, but Gordon said it could eventually be forced to close.

STORMS CUT A DEADLY PATH

The 18 reported deaths since the storms began on Wednesday included 10 in Tennessee. A 9-year-old boy in Kentucky was caught up in floodwaters while walking to catch his school bus. A 5-year-old boy in Arkansas died after a tree fell on his family's home and trapped him, police said. A 16-year-old volunteer Missouri firefighter died in a crash while seeking to rescue people caught in the storm.

The National Weather Service said on Sunday dozens of locations in multiple states were expected to reach a "major flood stage," with extensive flooding of structures, roads, bridges and other critical infrastructure possible.In north-central Kentucky, emergency officials ordered a mandatory evacuation for Falmouth and Butler, towns near the bend of the rising Licking River. Thirty years ago, the river reached a record 50 feet (15 meters), resulting in five deaths and 1,000 homes destroyed.The storms come after the Trump administration cut jobs at NWS forecast offices, leaving half of them with vacancy rates of about 20%, or double the level of a decade ago.

FLOODS FORCE EVACUATIONS

A northwestern Tennessee town of about 200 people that flooded after a levee failure in February was almost entirely underwater on Sunday after the Obion River overflowed. Domanic Scott went to check on his father in Rives, Tennessee, after not hearing from him in a house where floodwater had reached the doorsteps.

Hypocrites': Indian-origin techie confronts Microsoft bosses, quits over Gaza

world. An Indian-American software engineer confronted Microsoft's current and past CEOs - Satya Nadella, Steve Ballmer, and Bill Gates - at Microsoft's headquarters, accusing them of using the company's technology to aid "genocide in Gaza."

"Shame on you all. You're all hypocrites," she shouted as she was escorted out of the hall, while some of the employees gathered at the 50th anniversary event started booing.As the three top faces of Microsoft bore a stupefied gaze, the employee, Vaniya Agrawal, said: "50,000 Palestinians in Gaza have been murdered with Microsoft technology. How dare you. Shame on all of you for celebrating on their blood. Cut ties with Israel."After Vaniya was shown the doors, Gates gave a nonchalant smile before continuing with the discussion.

"I think Steve and I almost cared too much, and our life was the company, and Satya has this ability to care as much as we did, but with more of a team," he went on.

Following the confrontation, Vaniya dropped a scathing resignation letter, stating that her last day at the office would be April 11. She said she could no longer be part of an organisation that empowers "oppressors" instead of the oppressed.In a lengthy letter, Vaniya claimed that Microsoft was "complicit" in Israel's military campaign against Gaza."Microsoft cloud and AI enable the Israeli military to be more lethal and destructive in Gaza. It is undeniable that Microsoft's Azure cloud offerings and

AI developments form the technological backbone of Israel's automated apartheid and genocide systems," she stated in the letter, accessed by The Verge.

"All this begs the question, which "people" are we empowering with our technology? The oppressors enforcing an apartheid regime? The war criminals committing a genocide? Unfortunately, at this point, it's irrefutable that Microsoft is complicit - they are a digital weapons manufacturer that powers surveillance, apartheid, and genocide. And by working for this company, we are all complicit," she further wrote, detailing her reasons for walking out of the company.

Why is Walmart facing a nationwide boycott in US Check items and services targeted

world. A week-long boycott of Walmart in the United States, organized by the People's Union USA, began on April 7. This boycott is the latest in a series of economic blackouts targeting major corporations that have rolled back their Diversity, Equity, and Inclusion (DEI) programs.The group, which was founded in February, has previously initiated similar movements against companies such as Target, Nestl, McDonald's, and Amazon for similar reasons.The primary reason behind the current boycott is Walmart's decision to eliminate its DEI initiatives, a move that has drawn the ire of the People's Union USA.The People's Union USA argues that such corporate actions undermine progress in promoting diversity and inclusion in the workplace.The group believes that corporate greed and political corruption are undermining the nation's progress. They argue that consumers, regardless of their political

affiliations, can agree on the need to challenge these corporate decisions that harm social progress.After President Trump resumed office in January, one of his administration's first actions was to dismantle federal DEI initiatives. In the wake of this, several major private companies, including Meta, Walmart, Amazon, and Lowe's, followed suit by quietly scaling back or even eliminating their DEI programs. These corporate decisions sparked widespread outrage from advocacy groups.Boycott Scope: What's Included?The People's Union USA has outlined the specific areas of Walmart that will be targeted during the boycott. Consumers are urged to refrain from spending money at any Walmart location or using its online services, including its mobile apps and affiliate platforms. Key areas affected by the boycott include:

Trump and Netanyahu to discuss tariffs, Iran, hostages in their second meeting

Florida. President Donald Trump plans to meet with Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu on Monday in what would be their second White House sit-down since Trump's return to office.The visit, confirmed by a White House official and Netanyahu's office Saturday, comes as Israel deploys troops in a new security corridor across Gaza to pressure the Hamas militant group. Netanyahu's defence minister has said Israel will seize large areas of the territory and add them to its so-called security zones.Last month, Israel shattered the ceasefire with a surprise bombardment in Gaza after trying to pressure Hamas to accept proposed new terms for the ceasefire, a move supported by the White House. Hundreds of Palestinians have since been killed.Israel has pledged to escalate the war in Gaza until Hamas returns the remaining hostages seized in the October 7, 2023, attack that sparked the war, disarms and leaves the territory. Israel has also halted all supplies of food, fuel and humanitarian aid into Gaza.Netanyahu's office, in a statement on social media, said he and Trump would discuss "the tariff issue, the efforts to return our hostages, Israel-Turkey relations, the Iranian threat and the battle against the International Criminal Court." Israel faces a 17 per cent tariff. Netanyahu is wanted by the court for alleged crimes against humanity in Gaza. The US is not a member of the court.In February, Netanyahu became the first foreign leader invited to the White House during Trump's second term. Their meeting focused on Israel's war with Hamas and the next steps as a ceasefire deal took hold.At a joint news conference afterward, Trump made the surprise proposal that displaced Palestinians in Gaza be permanently resettled outside the territory and the United States take "ownership" in redeveloping the area into "the Riviera of the Middle East." Palestinians objected to leaving their homeland, and Arab nations and rights groups sharply criticised the idea.

That February meeting gave Netanyahu a chance to remind the world of the Trump administration's support for Israel, defend the conduct of the war and distract from

political pressures back home.

Those pressures have only grown as Israelis protest both the lack of a deal to bring remaining hostages home from Gaza and Netanyahu's moves to fire the head of the country's domestic security agency and its attorney general. He also faces calls to accept responsibility for his role in failing to prevent the October 7 attack.

In a statement Saturday, relatives of hostages held in Gaza pleaded with Trump to "please use all your power to pressure Netanyahu to end this war and bring our hostages back now.""We are addressing President Trump: Netanyahu is lying when he says that military pressure will bring back the abductees. The only way to quickly return all the abductees is to end the war and return them all in one fell swoop," Ifat Calderon, aunt of hostage Ofer Calderon, said in Tel Aviv, Israel.Hamas says it will only release the remaining 59 hostages — 24 of whom are believed to be alive — in exchange for the release of more Palestinian prisoners, a lasting ceasefire and an Israeli pullout from Gaza.The October 7 attack on southern Israel killed about 1,200 people, mostly civilians. Some 251 hostages were taken, most of them since released in ceasefire agreements and other deals.More than 50,000 Palestinians have been killed in Gaza as part of Israel's offensive, according to Gaza's Health Ministry, which doesn't say whether those killed are civilians or combatants. Israel says it has killed around 20,000 militants, without providing evidence.

NEWS BOX

IPL 2025: Sourav Ganguly praises GT coach Ashish Nehra after thumping win vs SRHa

New Delhi. Gujarat Titans hammered Sunrisers Hyderabad on Sunday, April 6, in the Indian Premier League. Gujarat dominated with both bat and ball and handed the hosts a 7-wicket loss at the Rajiv Gandhi International Stadium. After the game, former India captain Sourav Ganguly heaped praise on GT head coach Ashish Nehra.

In a post that has now gone viral, Ganguly praised Nehra's tremendous game sense in the match against Hyderabad. Ganguly also lauded Gujarat's process, which has seen them reach the IPL final twice in the last 3 years."Like the way Gujarat has gone about their job in the IPL since the first season. There is a lot of cricketing brain in their team setup and approach. Ashish Nehra has really shown his qualities as head coach, with tremendous game sense," Sourav Ganguly wrote on X.IPL 2025: SRH vs GT Highlights

Ashish Nehra was one of the youngsters in Sourav Ganguly's Indian team. Nehra, then a young speedster, was well known for his ability to swing the ball in the air and take

wickets in a bunch. Nehra has always spoken highly of his former captain. In fact, in an interview back in 2021, Nehra said that he learnt a lot of things about leadership from the former India captain.“The most important thing I would say I learnt from Sourav Dada was how to keep cool irrespective of the situation. I was one of those guys who used to get really upset with him at times and would show it too. He will not say anything on the ground that time but later in the evening he will call me and say ‘arre Ashu, what are you doing?’ Aaja mere kamre mein,” Nehra had said in a CRED interview back in 2021.

“Sourav Ganguly truly believed that what happens on the cricket ground should stay in the cricket ground. He really knew how to run a team and was clear about what he needed from each player and in that bargain, if some player would be upset or angry with him, no problem. He would not take it to his heart,” Nehra had further added.Under Ashish Nehra's tutelage, Gujarat Titans have started well this season.

IPL 2025: Ishant Sharma fined 25 per cent match fees for breach of conduct vs SRH

New Delhi. Fast bowler Ishant Sharma has been fined for breaching the Indian Premier League's code of conduct laws in Gujarat Titans' match against Sunrisers Hyderabad on Sunday, April 6. Sharma has been slapped with a hefty 25 per cent fine on his match fees and has been given one demerit point.

The IPL announced the decision via a statement on Monday morning, nearly 12 hours after the conclusion of the game. Ishant did not have a good time against SRH in Hyderabad, giving away 53 runs in his 4 overs, which was nearly 30 per cent of SRH's total runs yesterday."Ishant Sharma, Bowler, Gujarat Titans, has been fined 25 per cent of his match fees and has also accumulated one demerit point for breaching the IPL Code of Conduct during his team’s match against Sunrisers Hyderabad at the Rajiv Gandhi

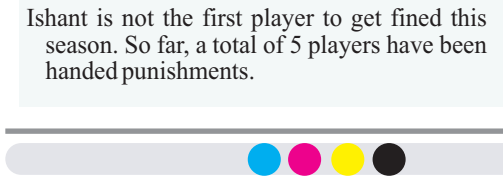

International Stadium, Hyderabad on Sunday," the IPL release said."Ishant Sharma admitted to the Level 1 offence under Article 2.2 and accepted the Match Referee’s sanction. For Level 1 breaches of the Code of Conduct, the Match Referee’s decision is final and binding," it further added.

Article 2.2 is part of BCCI’s Code of Conduct for Players and Team Officials and deals with the “Abuse of cricket equipment or clothing, ground equipment or fixtures and fittings during a match."“Article 2.2 includes any action(s) outside the course of normal cricket actions, such as hitting or kicking the wickets and any action(s) which deliberately (i.e., intentionally), recklessly, or negligently (in either case, even if accidental) results in damage to the advertising boards, boundary fences, dressing room doors, mirrors, windows, and other fixtures and fittings. For example, this offence may be committed, without limitation, when a player swings his/her bat vigorously in frustration and causes damage to an advertising board," the rule reads.

Code of Conduct Breaches in IPL 2025

Ishant is not the first player to get fined this season. So far, a total of 5 players have been handed punishments.

Behind the scenes at Punjab Kings: Normatec, musculoskeletal screening and how Shreyas & Co take care of their body

- Andrew Leipus and Adrian le Roux, sports physiotherapist and the strength and conditioning coach at the franchise, give a lowdown on the kind of work they do to get players ready to go before the season starts. They also give an in-depth account of what happens immediately after a match.

CHENNAI. After a hectic last three weeks or so, Andrew Leipus and Adrian Le Roux can finally breathe. As is the norm just before the start of another Indian Premier League (IPL) season, the pair, head sports physiotherapist and the strength and conditioning coach at Punjab Kings, have had to run a battery of tests on the franchise's players.

"The first two weeks are hectic," Leipus says over a Zoom call. "You have got 25 guys who are coming in from various parts of the world with various levels of cricket under their belt. You have to get to know these guys, there is the screening process... it's quite intensive. We have come out of it pretty well."The screening process Leipus, a support staff of the men's national team over two decades ago, conducts is important for various reasons. "We do a musculoskeletal screening in order to determine if these guys are fit on arrival, if they are fit for selection on arrival. There's a number of physiotherapy-based tests including strength, function and control. We firstly assess if they are coming with any injuries and are fit for selection (upon arrival). If they are not fit for selection, they don't get paid basically. That's just fit to play, not fit to perform. From a physio perspective, there are a number of things one can do — concussion testing, cardiac testing, you don't know where to stop. We cover the basics that we feel are important."

Le Roux does his own body composition testing. He also does a strength screening to look at movement.That, though, is during the initial weeks. Once games begin, their area of expertise changes to hydration, player education apropos urine, getting eight hours of sleep and so on.

Studying urine samples of players

Punjab Kings, like a lot of franchises in recent times, 'did dabble' in studying the urine deposits of the players but they don't do that anymore. "What we are testing for is not going to make a difference in the time frame of that match," Leipus says. "During Test cricket, perhaps (it's important to look at the specific gravity of the urine). In T20, the game's over in three and a half hours. It's about making sure your urine is clear before the match starts."Le Roux, whose time with

the Indian team overlapped with that of Leipus, chips in during the same Zoom call. "It's all about player education," the South African says. "We spend a lot of time with the players to talk about hydration and sleep. It doesn't really matter what time the players go to sleep but the aim is for eight hours of sleep."Punjab do not have set hydration protocols in place but "we encourage all players to go to bed fully hydrated, even if it means having to get up to pass urine in the night," Leipus says.It's kind of important because players tend to lose anywhere between one and three kilos over the four over period during an IPL game. "It depends on an individual," Le Roux, who has worked in the IPL in some capacity during all seasons, says. "We are fortunate that most of our games are evening games. A player might lose, maybe, 1-3 kilos in body weight but that's all water and that will be replaced quite quickly."

Using wellness tech Haaland invests in

Hydration, tough, is just one aspect of their roles after matches. "We can't force players to do anything that they don't feel is relevant to them," Leipus says. "A lot of them do ice baths in the dressing room post-matches. When they come back to the hotel, if they have got any niggles, we do something called an icing-compression treatment. We had a couple of players on the normatec (a compression device footballer Erling Haaland swears by so much he decided to become an investor in its parent company)," Leipus says.

IPL 2025: Sai of things to come for Kishore, Gujarat Titans

- Left-arm fingerspinner continues upwards trajectory with another match-defining spell against Sunrisers Hyderabad

Chennai. Gujarat Titans have the best spinner in this year's edition of the Indian Premier League. That is not a surprising sentence but it's actually R Sai Kishore who has, slowly but surely, stepped out of multiple shadows to carve out a place for himself.On Sunday night, no doubt aided by a slow, sluggish black soil deck in Hyderabad, he once again showcased his wares to pick up two more wickets for Gujarat Titans. In 10 previous matches before this season, he had picked up only 13 wickets in 10 matches. 2025? He's already on eight, the best slow bowler after Noor Ahmad in terms of wickets. In terms of dot balls, he's already bowled 36, only behind Varun Chakravarthy in terms of spinners in this particular metric.If economy is your thing, he's the third best spinner behind Chakravarthy and Kuldeep Yadav (minimum 10 overs).It shows several

things. One, he's outbowling his more illustrious teammate Khan, not an easy thing to do. But he's also emerged as a solid wicket-taking option for Titans across the middle-overs. In the process, he's making up for lost time.After spending a few years at Chennai Super Kings where his role was off the field (he didn't play a single game as he was below Ravindra Jadeja), the Titans picked him up. They gave him a few matches in their debut season in 2022 but he once again was forced to watch on from the sidelines in 2023 as they preferred the sexier wristspin option of Noor Ahmad.A freak golf injury put paid to his chances halfway through 2024 but he has upskilled himself in the interim. In theory, left-arm fingerspinners aren't as valued as wristspinners because of the novelty and mystery aspect. It's why the likes of Yadav go for big money. Also, considering there's a steady supply of left-arm fingerspin, Kishore knew he had to stand out from the crowd.He's now armed with a carrom ball, a weapon not usually found in an arsenal of an SLA. 'To be relevant in T20 cricket, you have to keep evolving," he told the host broadcaster after employing the carrom ball to remove Krunal Pandya against Royal Challengers Bengaluru. "I have been practicing it for the last 3-4 years but have not bowled it anywhere. It is like a carrom ball so I get more dip on it."The other Sai, Sudharsan, was all praise for his statemate when he had come for the post-match press conference. "He understands the game, understands the situation and uses his speeds, angles. I think that is why he's bowling the way he is."The point about speeds and angles — think spin as the world of art colliding with the world of physics — is something a lot of spinners work with. Kishore showed why he has become a master at it. Against Heinrich Klaasen, one of the best batters off spin .

R Ashwin's YouTube channel to not cover remaining CSK games in IPL 2025

New Delhi Ravichandran Ashwin's YouTube channel will not be covering the remaining matches of Chennai Super Kings, confirmed the admin on Monday, April 7. Ashwin's channel, known for its analytical and fun approach to the game of cricket, was in the middle of controversy on Saturday when one of its analysts, Prasanna Agoram, argued that Noor Ahmad was not needed in the line-up.Prasanna had argued that due to the presence of Ashwin and Ravindra Jadeja in the line-up, CSK could use an extra batter in place of the Afghanistan leg spinner. The comment did not sit well with many as fans argued against the axing of the purple cap holder in the tournament.There was severe backlash over the comment made by the former South African analyst Prasanna, who is also known to be close to Ashwin. On Monday, the admin, in a statement, made it clear that Prasanna's views on any matter on the channel are his own and do not reflect Ashwin's views in any manner.

"Given the nature of the discussions on this forum over the last week, we want to be mindful of how things can be interpreted and have chosen to step away from covering CSK games, both previews and reviews, for the rest of this season," read a note from the admin of Ashwin's channel."We value the diversity of perspectives that come through on our shows and remain committed to ensuring the conversation stays true to the integrity and purpose of the platform we've established. The views expressed by our guests do not reflect Ashwin's personal opinions," it added.

After Chennai Super Kings' loss against Delhi Capitals on Saturday, head coach Stephen Fleming was asked about the controversy. An agitated Fleming was quick to shut down the comments, stating that he did not know Ashwin had a YouTube channel.

Jasprit Bumrah is back: MI's bowling leader returns with season in balance

New Delhi. When Mumbai Indians dropped the video featuring baby Angad and Sanjana Ganesan narrating the story of cub who entered the jungle of IPL, that would have been a big dopamine hit for Indian cricket fans. The video showed the star pacer of Indian cricket make a return to the IPL after another battle with injury.As Bumrah was away, MI struggled in the competition right at the start once again. Being 5-time champions, each of the decisions made by the team and the performances of players started to come under the radar.

The biggest point of scrutiny was the bowling as it missed the zest and guile that had helped them win the title may times. On paper, the presence of Trent Boult, Deepak Chahar and Bumrah meant MI were tipped to dominate the powerplay overs.However,

apart from the KKR game, that hasn't been the case as they sit in 8th on the points table. So Bumrah comes at a time when his side needs him the most.Bumrah the leader neededThe happiness in the MI camp could be best described by that Kieron Pollard video where the Mumbai batting coach just lifted the pacer up in the air in delight. Pollard knows what Bumrah as a leader brings to this team as he has done in recent times for the Indian national team.

Having the presence of a Bumrah around an Ashwani Kumar quickly makes the Mumbai bowling more potent and dangerous, something Varun Aaron explained. The former India pacer stated that Bumrah the leader is what Mumbai needs to get back to winning ways.They really need him back. They need some zest in their team again because they've not found the best form at the start of the tournament.

SRH's bowling and not batting hurting them the most in IPL 2025: Ambati Rayudu

- GT defeated SRH BY 7 wickets
- Rayudu feels that SRH are defensive with their bowling
- SRH will now face PBKS on Saturday, April 12

New Delhi. Ambati Rayudu feels that it is Sunrisers Hyderabad's bowling that is hurting them the most in the IPL 2025 season rather than their batting after the loss to Gujarat Titans on Sunday, April 6. SRH lost their 4th game on the trot on Sunday as GT defeated them by 7 wickets after a clinical performance.Once again, the famed hard-hitting batting order failed to deliver as Travis Head, Abhishek Sharma and Ishan Kishan returned to the pavilion without

much impact. Despite posting a target of 152, SRH started with the ball brilliantly as they dismissed Sai Sudharsan and Jos Buttler early. However, they let the game slip in the middle overs once again as Washington Sundar and Shubman Gill ensured GT reached the target with 7 wickets to spare.This has been a recurring theme for SRH as seen in their losses to LSG, DC and KKR as the bowling lacked any teeth in it. Speaking to ESPN Cricinfo, Rayudu said that Hyderabad lacks a good bowler who can come in and make an impact in the middle overs and tighten the screws.

IPL 2025: SRH vs GT Highlights

"I think it's more their bowling, I feel, than their batting. Because in the middle overs they don't have anyone who can come and pick those crucial wickets or put a team under pressure. Look at how GT has done with Sai Kishore, Rashid Khan and Prasidh Krishna. They really tightened the screws," said Rayudu.'Can't win IPL with mediocre middle-over bowling'Rayudu claimed that SRH doesn't look like a team that can pick up wickets and they're just being defensive with their approach. The former CSK batter said that a team cannot win the IPL with mediocre middle over bowling."But for SRH, I don't see them looking to pick wickets. They're just being defensive and trying to stop the batter from scoring a boundary. You can't win the IPL with mediocre middle over bowling. You need really good bowlers to pick up the wickets," said Rayudu.

Uorfi Javed

Hides Her Face At The Airport, Requests Paps Not To Click Her: 'Meri Halat Dekho'

Uorfi Javed, who generally brings her sartorial bests to the airport, was seen hiding her face from the paps on Saturday, April 5. The social media sensation, accompanied by her team, was seen repeatedly asking the paparazzi not to click her.Uorfi chose a casual look for her airport OOTD. She paired her loose and comfy T-shirt with a denim jacket. She wore a cap, sunglasses and left her hair loose when paps spotted her. Uorfi, who is usually pap-friendly, was seen hiding a part of her face with her hair and her jacket. She repeatedly asked them not to click her and quickly got inside her car. Watch the video here:Fans took to the comment box and started guessing why Uorfi was hiding her face. While some wondered if the Follow Kar Lo Yaar star underwent

botox or face surgery, others pointed out why the paps chose to keep clicking despite her asking not to.

Uorfi is known for bold statements and unique style statements. At the India Today Conclave in 2023, she admitted to cash in on her sexuality. She said, "We never blame men and say your gaze is wrong, but it's always me who's blamed. I admit I am capitalising on my sexualisation, but it is not something new. Movies and directors have been doing it for ages. The point is that they sexualise women in their movies, yet it is women who bear the backlash while the directors and the producers are making money. I wanted to take charge and sexualise myself and make my own money."Uorfi Javed is known for experimenting with her style like no one else. From creating dresses out of safety pins to using phones and even pizzas, her fashion game is truly beyond conventional.

Sonam Kapoor's

German Vacation Was All About Fun And Family Moments

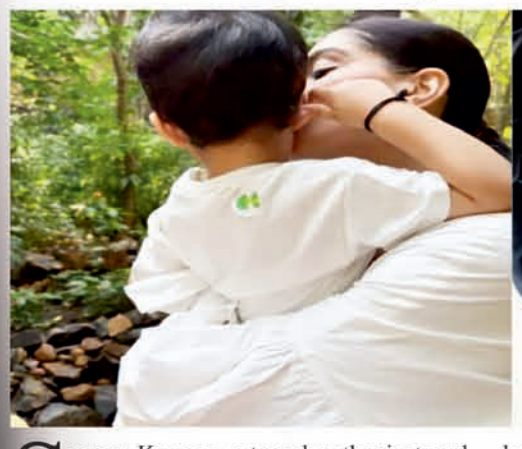

Sonam Kapoor, a travel enthusiast and self-proclaimed foodie, recently took a short trip to Germany with her husband Anand Ahuja and their son, Vayu Kapoor Ahuja. Sharing highlights on Instagram, the Raanjhanaa actress delighted fans with a series of pictures from their time in Konstanz, Germany. In her caption, she wrote, "March you were wonderful, so grateful."The first few images captured a sweet moment between Sonam and her son amidst lush greenery. Another showed the scenic beauty of Cherry Blossom Avenue in Bonn.A subsequent post included a video of Anand Ahuja and Vayu enjoying a peaceful day in the pool. In another clip, little Vayu was seen running joyfully through the streets of Germany with his father.Sonam also shared a glimpse of the historic Freiburg Cathedral. One heartwarming picture showed Vayu clutching his travel bag. She gave fans a peek at the baked German treats and chocolate delicacies the family enjoyed during the trip. Her travel diary also featured a photo of Villa Prym.Fans quickly flooded the comment section with love. One Instagram user wrote, "Cute fam." Another commented, "Vayu with a suitcase! Too cute." Someone else shared, "Beautiful family."Sonam and Anand welcomed their son Vayu in August 2022. The couple got married in May 2018 in a lavish ceremony held in Mumbai.Sonam was last seen in the thriller Blind, marking her return to acting after a long break. Directed by Shome Makhija, the film also starred Purab Kohli and Vinay Pathak in key roles.She is reportedly set to appear next in the period drama.

'Pata Hai Main Kaun Hoon?': Esha Deol And Malaika Parekh Tease Paps

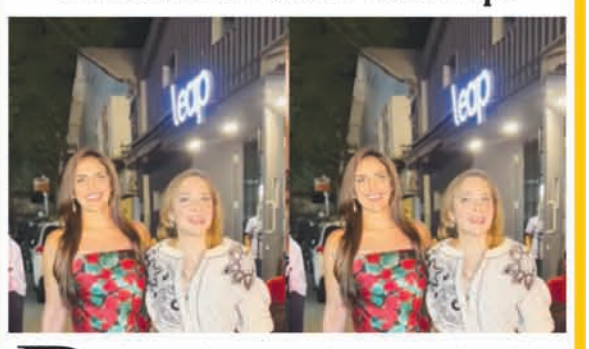

Bollywood actress Esha Deol and Malaika Parekh, wife of actor Zayed Khan, were recently spotted attending Laila Khan Furniturewala's 'Untamed Heart' solo exhibition. The event, showcasing the artist's latest works, drew a massive crowd. Following the duo's visit to the exhibition, Esha and Malaika were captured by the paparazzi in Bandra. Several pictures and videos of the two have surfaced online.In a video that's going viral on social media, Esha Deol and Malaika Parekh are seen posing for the paps. As the cameras flashed, Malaika playfully teased the photographers. In the clip, she is heard asking, "Aapko pata hai main kaun hoon?" To this, a paparazzo quickly replied, "Aap Zayed Khan sir ki wife ho." Esha added, "Malaika."

For the exhibition, Esha looked super chic in a stylish outfit. The actress rocked a fitted off-shoulder gown with leafy patterns in shades of red and green. She completed the look with a green bracelet, golden earrings, a black clutch and minimal glam. Her open hair and minimal accessories showed she knows how to keep it classy and cool.

Meanwhile, Malaika went for a beige dress with a mandala print. She paired it with golden accessories, a matching bracelet and a black clutch. Her wavy locks were left open.

Zayed Khan tied the knot with Malaika Parekh in 2005. The couple welcomed their first son, Zidaan, in 2008, and became parents again in 2011 with the birth of Aariz.On the professional front, Esha Deol was last seen in Tumko Meri Kasam. Directed by Vikram Bhatt, the family drama hit theatres on March 21. Alongside Esha, the film starred Adah Sharma, Anupam Kher and Ishwak Singh. It's loosely inspired by the life of Dr. Ajay Murdia, the founder of Indira IVF, a well-known national chain of fertility clinics.

Stree 2 Director Amar Kaushik Says He 'Lost Sleep' Over Rajkummar Rao Starrer: 'Gaali Khaane Ke Liye...'

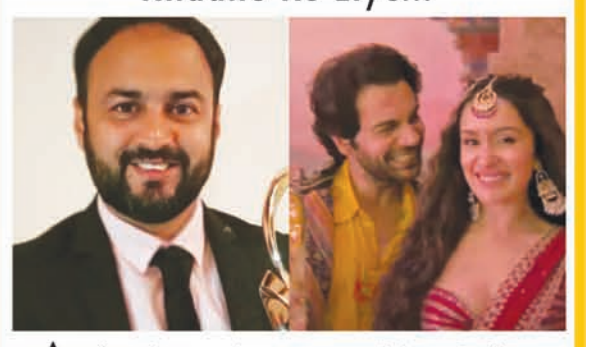

After the massive success of Stree 2, director Amar Kaushik is finally catching his breath. The horror-comedy sequel, which dominated the box office in 2024 and garnered praise from critics and audiences alike, catapulted the filmmaker into the spotlight once again. But behind the glowing reviews and record-breaking numbers was a production process filled with immense pressure, sleepless nights, and sky-high expectations.In a candid conversation with Komal Nahta on his YouTube show Game Changers, Amar opened up about life post-Stree 2. When asked if anything had changed since the film's release, he replied, "There hasn't been any drastic change. The film was made under extreme pressure—it was preponed, and so many things happened. So now I'm just trying to relax for 3–4 months. People's expectations have increased, asking when the next film is coming, but I'm not letting it get to my head."

He continued, explaining how the pressure of making a sequel weighed heavily on the entire team. "Sequels are always judged harshly," he admitted. "My writer Niren Bhatt and I kept telling ourselves, 'Be ready to get criticised. Now let's just focus on reducing that as much as possible.'"

A major stress point came during post-production. "With VFX, you're not doing the work directly—you're giving instructions and managing timelines. And when you realise there's a lot of work left but very little time, it hits you hard. We didn't sleep properly for the last 2–3 months before the release."

Now that Stree 2 is out and thriving, Kaushik is finally taking time to decompress. "After the release, I've started sleeping well," he said with a smile, adding that he's currently not rushing into another project to avoid burnout and creative fatigue.Part of Maddock Films' expanding horror universe, Stree 2 brought back fan-favorite characters played by Shraddha Kapoor, Rajkummar Rao, Aparshakti Khurana, Abhishek Banerjee, and Pankaj Tripathi. The film also featured headline-making cameos by Akshay Kumar and Tamannaah Bhatia, which added extra spice to the already star-studded cast.

Following in the footsteps of its 2018 predecessor, Stree 2 emerged as one of the highest-grossing films of the year, earning 597.99 crore domestically and 857.15 crore worldwide.As for what's next, Amar Kaushik is content letting the audience relish Stree 2 a little longer while he recharges. "I'm not taking the pressure of 'what's next' on my head right now," he said. And with good reason—after delivering one of the year's biggest blockbusters under intense conditions, the director has more than earned his rest.